लखनऊ

शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 I अंकः 98

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

यदि आप बहाने बनाते हैं मतलब सफल तो बनना चाहते हैं लेकिन कार्य करने से जी चुराते हैं। सफलता और बहाने कभी एक साथ नहीं हो सकते।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

बाल विवाह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

'छिन जाता है जीवनसाथी चुनने का अधिकार'

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को बाल विवाह निषेध अधिनियम को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में हो रहे बाल विवाह के मुद्दे पर कड़ी नाराजगी जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम को पर्सनल लॉ से नहीं रोका जा सकता और बाल विवाह अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का उल्लंघन करती हैं। CJI ने कहा कि सबको अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने देश में बाल विवाह रोकथाम कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई दिशानिर्देश भी जारी किए।

एससी की बेंच ने कहा कि अधिकारियों को अपराधियों को दंडित करते समय बाल विवाह की रोकथाम और नाबालिगों की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

बाल विवाह नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

* अधिकारियों की विशेष ट्रेनिंग हो
* हर समुदाय के लिए अलग तरीके अपनाएं
* दंडात्मक तरीके से सफलता नहीं मिलती
* लोगों में जागरूकता बढाएं
* समाज की स्थिति समझ कर रणनीति बने
* बाल विवाह निषेध कानून को पर्सनल लॉ से ऊपर रखने का मसला संसद में लंबित है।

कानून में हैं कुछ खामियां- सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने यह भी कहा कि बाल विवाह निषेध कानून में कुछ खामियां हैं। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 बाल विवाह को रोकने और समाज से उनके उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था। इस अधिनियम ने 1929 के बाल विवाह निरोधक अधिनियम की जगह ली।

बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 बाल विवाह को रोकने और समाज से उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिए लाया गया। इस अधिनियम ने 1929 के बाल विवाह निरोधक अधिनियम की जगह ली।

इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह भारतीय दंड संहिता (IPC) और भारतीय न्याय संहिता (BNS) के उन दंडनीय प्रावधानों की संवैधानिक वैधता पर निर्णय करेगी, जो दुष्कर्म के अपराध के लिए पति को अभियोजन से छूट प्रदान करता है।

अगर वह अपनी पत्नी (जो नाबालिग नहीं है) को उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है। पीठ ने केंद्र की इस दलील पर याचिकाकर्ताओं की राय जाननी चाही कि इस तरह के कृत्यों को दंडनीय बनाने से वैवाहिक संबंधों पर गंभीर असर पड़ेगा।

अलग- अलग समुदाय के लिए बनाई जाए रणनीति

पीठ ने कहा, निवारक रणनीति अलग-अलग समुदायों के हिसाब से बनाई जानी चाहिए। यह कानून तभी सफल होगा जब बहु-क्षेत्रीय समन्वय होगा। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की आवश्यकता है। हम इस बात पर जोर देते हैं कि इस मामले में समुदाय आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

संक्षेप

ड्रोन में कैद हुए याह्या सिनवार के आखिरी पल, बचने के लिए क्या-क्या किया, IDF ने जारी किया वीडियो

तेल अवीव। इस्राइली सेना ने हमास प्रमुख याह्या सिनवार को ढेर कर दिया है। इस्राइली सेना ने याह्या सिनवार के आखिरी पलों का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें सिनवार सोफे पर बैठे दिख रहा है और ड्रोन को देखकर सिनवार ने उस पर हमले की कोशिश भी की, लेकिन आखिरकार याह्या सिनवार को ढेर कर दिया गया। सिनवार से पहले इस्राइल ने जुलाई में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह को भी ढेर कर दिया था। वीडियो में दिख रहा है कि सिनवार एक क्षतिग्रस्त अपार्टमेंट में एक सोफे पर बैठा हुआ था। सिनवार ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुंह पर कपड़ा लपेटा हुआ था। सिनवार घायल अवस्था में था और जैसे ही ड्रोन ने उसके पास जाने की कोशिश की तो उसने एक लड़की से ड्रोन पर हमले की कोशिश की। हालांकि समय रहते ड्रोन पीछे चला गया। इसके बाद इस्राइली सेना की कार्रवाई में याह्या सिनवार मारा गया। इस्राइली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि जब ड्रोन से यह फुटेज रिकॉर्ड हुई थी तो इस्राइली सेना को लगा था कि यह हमास का कोई आम लड़ाका है। हालांकि जब सिनवार की मौत के बाद उसकी पहचान की गई तो पता चला कि यह कोई आम लड़ाका नहीं बल्कि हमास का प्रमुख याह्या सिनवार है। इस्राइली सेना ने बताया कि उनके सैनिकों को गाजा के रफाह में तीन संदिग्ध आतंकी एक इमारत से दूसरी इमारत में जाते दिखाई दिए थे। इस पर इस्राइली सैनिकों ने उन पर गोलीबार की। इस बीच सिनवार वहां से बचकर एक क्षतिग्रस्त इमारत में घुस गया।

'भारत से व्यापार पर प्रतिबंध लगाना मूर्खता', कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ की ट्रूडो को नसीहत

ओटावा। कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ जो एडम जॉर्ज ने पीएम जस्टिन ट्रूडो को नसीहत दी है। भारत पर लगाए गए आरोपों से पीछे हटने के बाद व्यापार प्रतिबंधों को लेकर चल रही चर्चा पर जॉर्ज ने कहा कि मुझे लगता है इसे लेकर दोनों देशों को इंतजार करना चाहिए। किसी भी पक्ष की ओर से कुछ ऐसा करने का प्रयास करना मूर्खता होगी, क्योंकि अंततः उन्हें पछताना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कनाडा के लिए प्रवासी भारतीय काफी अहमियत रखते हैं। वहीं कनाडा को अंतरराष्ट्रीय छात्रों और प्रवासियों से बड़ा राजस्व मिलता है। उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए। इसलिए ऐसा कुछ भी मूर्खतापूर्ण न करना कनाडा के हित में होगा। मैं जानता हूं कि कनाडा की ओर से प्रतिबंधों के बारे में बात हुई है, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें काफी समय लगेगा। उन्होंने कहा कि पीएम ट्रूडो का यह स्वीकार करना कि उन्होंने भारत के साथ ठोस सबूत साझा नहीं किए थे, यह काफी दिलचस्प था। सवाल यह है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत का हाथ होने का आरोप सार्वजनिक करने का औचित्य क्या है? कनाडा ने समय के साथ भारत के साथ सबूत साझा किए हैं या नहीं यह तो समय ही बताएगा। उन्होंने कहा कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) को दक्षिण एशियाई समुदाय के सदस्यों के लिए खतरों की जानकारी मिली थी।

राहुल गांधी ने महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण का किया आह्वान, कहा- अपने अधिकारों के लिए लड़ें

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए इंदिरा फेलोशिप की तरफ से शुरू किए गए आंदोलन, कांग्रेस के शक्ति अभियान की एक बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि आज राजनीति में संघर्ष केवल राजनीतिक दलों के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक वैचारिक लड़ाई है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, आज राजनीति में हमारी लड़ाई केवल सत्ता के लिए नहीं है, बल्कि प्रतिनिधित्व के लिए भी है और वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, उतने अलग नहीं हैं जितना कुछ लोग सोचते हैं। उन्होंने महिलाओं से प्रतीकात्मक पदों को अस्वीकार करने और प्रभाव के सार्थक पदों के लिए संघर्ष करने का आग्रह किया।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा, महिलाओं को यह समझना चाहिए कि उन्हें केवल प्रतीकात्मक राशि या पद स्वीकार नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। उन्होंने शक्ति अभियान के साहसिक प्रयासों की सराहना की, जो महिलाओं को अपने समुदायों में नेतृत्व करने, संगठित करने और राजनीतिक विमर्श को नया रूप देने के लिए जगह प्रदान कर रहा है। राहुल गांधी ने सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया और महिलाओं को भारतीय राजनीति में जो संभव है उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि शक्ति अभियान में देश भर में लैंगिक न्याय के लिए एक शक्तिशाली ताकत बनने की क्षमता है।

प्रदेश में बिगड़े हालात से मुख्यमंत्री योगी नाराज, कई अधिकारियों की होगी छुट्टी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश में लगातार खराब होते माहौल और उसको रोकने में पुलिस प्रशासन की नाकामी के चलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ब्यूरोक्रेसी और पुलिस प्रशासन से काफी नाराज बताये जा रहे हैं।

योगी की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह है उन्हें लगता है कि बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान कई जिलों में अधिकारियों की लापरवाही की वजह से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की घटनाएं हुई उसे जल्द कार्रवाई करके रोका जा सकता था। इसी से नाराज पुलिस के हाकिम डीजीपी प्रशांत कुमार ने बहराइच समेत आधा दर्जन से अधिक जिलों में हुई घटनाओं को लेकर संबंधित एडीजी जोन से जल्द से जल्द रिपोर्ट देने को कहा था। सूत्रों के मुताबिक तीनों एडीजी जोन ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

सूत्रों की मानें तो बहराइच में सीओ महसी रूपेंद्र कुमार गौड को निलंबित करने के बाद कुछ अन्य अफसर भी जांच के दायरे में हैं। इसी तरह कौशांबी, देवरिया, कुशीनगर, गोंडा, बलरामपुर आदि में हुई घटनाओं की रिपोर्ट का गहनता से अध्ययन कर लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को चिन्हित किया जा रहा है। बता दें कि बहराइच में सांप्रदायिक हिंसा भड़कने के बाद एडीजी जोन गोरखपुर केएस प्रताप कुमार और आईजी रेंज देवीपाटन अमरेंद्र प्रताप सिंह को भेजा गया था, इसके बावजूद हालात काबू में नहीं आने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ

एनकाउंटर करने वालों को ओलंपिक भेजो, बहराइच मुठभेड़ पर ओवैसी ने सीएम योगी को घेरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बहराइच। एनकाउंटर को लेकर AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ठोक दो निति संविधान के खिलाफ है। ऐसे तो कोई भी किसी को भी गोली मार देगा। उन्होंने एनकाउंटर करने वालों को ओलंपिक में भेजने की बात कही है। साथ ही ओवैसी ने ये भी कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ यूपी को संविधान के हिसाब से चलाएं। ओवैसी ने आगे कहा कि बहराइच हिंसा के आरोपियों का पुलिस से 'एनकाउंटर' का सच जानना मुश्किल नहीं है। योगीजी की 'ठोक देंगे' नीति के बारे में सब जानते हैं। अगर पुलिस के पास इतना सबूत होता तो आरोपियों को कानूनी सजा दिलाने की कोशिश होती। ओवैसी ने कहा कि पिछले कई सालों से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की जो 'ठोक दो' पॉलिसी चल रही है, ये उसी का एक उदाहरण है। हम बार बार कह रहे हैं बीजेपी से, पीएम मोदी से और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से कि आपके 'ठोक दो' की पॉलिसी संविधान के खिलाफ है। आप यूपी को संविधान से चलाइए न कि बंदूक से क्योंकि अगर आप एक गलत चीज का आगाज कर देंगे तो वो गलती चीजें चलती रहेंगी।

दिल्ली में कई इलाकों का एक्यूआई गंभीर श्रेणी में, सांस लेने में हो रही कठिनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में मौसम का मिजाज बदल रहा है, धीरे-धीरे ठंड दस्तक दे रही है। लेकिन, इसी ठंड के साथ-साथ दिल्ली की वायु गुणवत्ता भी तेजी से खराब हो रही है। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है, जो कि स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। इससे लोगों को सांस लेने में भी कठिनाई हो रही है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शुक्रवार सुबह 9 बजे तक दिल्ली में औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 293 अंक पर बना हुआ था। जबकि दिल्ली एनसीआर के अन्य क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक है। फरीदाबाद में एक्यूआई 194, गुरुग्राम में 196, गाजियाबाद में 247, ग्रेटर नोएडा में 296, और नोएडा में 242 अंक दर्ज किया गया है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में एक्यूआई 300 से ऊपर और 400 के बीच बना हुआ है। वजीरपुर में 379, विवेक विहार में 327, शादीपुर में 337, रोहिणी में 362, पंजाबी बाग में 312, पटपड़गंज में 344, नरेला में 312, मंडल कांड में 375, जहांगीरपुरी में 354, द्वारका सेक्टर 8 में 324, बवाना में 339, आनंद विहार में 342, और अलीपुर में 307 दर्ज किए गए। बढ़ते प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताते लोगों ने कहा कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बीते कई दिनों से हर साल सरकार प्रदूषण की रोकथाम के लिए बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे से पहले ठाकरे और कांग्रेस में ठनी, बांद्रा पूर्व से उद्धव ने किया उम्मीदवार का ऐलान

मुंबई, एजेंसी। विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही महाराष्ट्र की राजनीति गरमाने लगी है। विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के दो प्रमुख घटक दल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच ठन गई है। हालांकि एमवीए में अभी तक सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय भी नहीं हुआ है लेकिन दोनों दल मुंबई की बांद्रा (पूर्व) सीट को लेकर आमने-सामने आ गए हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने मुंबई की बांद्रा (पूर्व) सीट से उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। उद्धव की शिवसेना ने कहा है कि वरुण सरदेसाई बांद्रा (पूर्व) विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि वरुण सरदेसाई आदित्य ठाकरे के मौसेरे भाई हैं। वरुण सरदेसाई पिछले 14 साल से युवा सेना में काम कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर कैबिनेट से राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

आधिकारिक सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को कैबिनेट की पहली बैठक में जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल ने केंद्रीय सरकार से राज्य का दर्जा बहाल करने की अपील की। सूत्रों की मानें तो प्रस्ताव का मसौदा तैयार कर लिया गया है और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आने वाले दिनों में दिल्ली आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह मसौदा सौंपेंगे। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने की, जिसमें उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जावेद अहमद डार और सतीश शर्मा शामिल हुए।

जेकेपीसीसी (जेके प्रदेश कांग्रेस कमेटी) अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने पत्रकारों से कहा कि हमारी पार्टी तब तक जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी, जब तक कि राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भरोसा जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करेगी। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी इस बारे में बात की है और आज भी सुप्रीम कोर्ट ने दो महीने के भीतर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली अर्जी पर सुनवाई करने पर सहमति जताई है। मुझे यकीन है कि भारत सरकार जल्द ही इसे बहाल करेगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठाएगी या विधानसभा में इसके खिलाफ कोई प्रस्ताव पास करेगी, तो अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें अपनी दलीलें पेश करने के लिए अदालत में वापस लौटना होगा। लाल चौक का दौरा करते समय, अब्दुल्ला ने कहा कि सड़कों पर कोई वीआईपी संस्कृति नहीं होगी और लोगों को सायरन की आवाज से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यहां पर कोई वीआईपी नहीं है, चाहे वह स्थानीय हों या राजनीतिज्ञ, सभी समान हैं। आपको बताते चलें कि जम्मू-कश्मीर का पूर्व राज्य दर्जा 2019 में खत्म हो गया था। 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू कश्मीर दो संघ शासित प्रदेशों, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था।

सपा ने उपचुनाव में नेताओं के सगे-संबंधियों पर जताया भरोसा, भाजपा ने उठाए सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपने सात उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इनके ज्यादातर उम्मीदवार किसी न किसी नेता के रिश्तेदार हैं। भाजपा ने इसे मुद्दा बनाते हुए सपा पर परिवारवाद का आरोप लगाया है।

दरअसल, समाजवादी पार्टी ने चुनाव की तिथि घोषित होने से पहले ही छह सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित किए थे। इसमें मैनपुरी की करहल से लालू प्रसाद यादव के दामाद और अपने परिवार के भतीजे तेज प्रताप सिंह यादव को उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले वो मैनपुरी के सांसद भी रह चुके हैं। अम्बेडकरनगर की कटेहरी सीट से लालजी वर्मा की पत्नी शोभा वर्मा उम्मीदवार बनाया गया। इस सीट से लालजी वर्मा पहले विधायक थे। उनके सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई थी। मिर्जापुर की मझवां से पूर्व सांसद रमेश बिंद की बेटी डा. ज्योति बिंद को उम्मीदवार बनाया गया है। कानपुर की सीसामऊ से पूर्व विधायक हाजी इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को उम्मीदवार बनाया है। समाजवादी पार्टी ने मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सुंबुल राणा को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। सुंबुल राणा पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधू हैं और बसपा नेता एवं पूर्व सांसद मुनकाद अली की बेटी हैं।

वहीं मिल्कीपुर सीट से फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को उतारा गया है। हालांकि इस सीट पर अभी चुनाव नहीं हो रहे हैं। प्रयागराज की फूलपुर सीट से उम्मीदवार बिना किसी नेता के परिवार से हैं। फूलपुर सीट के प्रत्याशी मुस्तफा सिद्दीकी पहले भी विधायक रह चुके हैं।

सियासी जानकर कहते हैं कि सपा की जारी सूची में उनके पीडीए फार्मूले का ध्यान तो रखा गया है। लेकिन सात में छह उम्मीदवार नेताओं के परिवार से है। इससे जाहिर होता है कि सपा मुखिया को परिवारवाद पर ही भरोसा है। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि सपा सिर्फ पीडीए का नाम देती है। उसका मकसद ही परिवारवाद और जातिवाद करना है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आनंद दुबे कहते हैं कि समाजवादी पार्टी का नारा सिर्फ पीडीए है।

मुंबई के कल्याण स्टेशन पर उपनगरीय ट्रेन पटरी से उतरी; कोई घायल नहीं, मार्ग पर यातायात प्रभावित

मुंबई, एजेंसी। कल्याण स्टेशन पर शुक्रवार को एक उपनगरीय ट्रेन पटरी से उतर गई। गनीमत रही कि इसमें किसी को भी चोट नहीं आई। यह घटना ठाणे जिले में मुंबई से लगभग 60 किलोमीटर दूर हुई। एक अधिकारी ने बताया कि टिटवाला-सीएसएमटी ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर प्रवेश करते समय पटरी से उतर गई, जिससे मुख्य लाइन पर यातायात प्रभावित हुआ। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने कहा, 'किसी को भी चोट नहीं आई है। ट्रेन जब प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर रुकने वाली थी तो धीमी गति में थी, तभी पीछे का डिब्बा पटरी से उतर गया।' मध्य रेलवे के मुंबई डिवीजन के डीआरएम ने एक्स पर संदेश में कहा, 'तकनीकी समस्या के कारण मुख्य लाइन सेवाएं समय से पीछे चल रही हैं।

जेईई मेन एग्जाम के पैटर्न में हुआ बदलाव, सेक्शन बी में नहीं मिलेगी च्वाइस

नई दिल्ली, एजेंसी। जेईई मेन परीक्षा में इस साल शामिल होने जा रहे कैंडिडेट्स के लिए अहम सूचना है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम के पैटर्न में बड़ा बदलाव किया गया है। इसके मुताबिक, अब पेपर के सेक्शन बी में अब सिर्फ पांच सवाल दिए जाएंगे। इन सभी क्वेश्चन को सॉल्व करना होगा। हालांकि, इसके पहले पेपर के सेक्शन बी में 10 सवाल दिए जाते थे, जिसमे 5 सवाल हल करने होते थे लेकिन अब इस विकल्प को बंद कर दिया गया है। एनटीए ने आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए नोटिफिकेशन में इस बात की जानकारी दी है। एजेंसी ने आगे कहा कि, एनटीए की आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है, कोविड-19 के दौरान प्रश्नों में मिलने वाले वैकल्पिक फॉर्मेट को अब बंद करने का निर्णय लिया जा रहा है। एग्जाम पैटर्न अपने मूल प्रारूप में वापस आ जाएगा। इसके तहत, सेक्शन बी में प्रति विषय केवल 5 (पांच) प्रश्न होंगे और उम्मीदवारों को सभी पांच प्रश्नों का के उत्तर देने होंगे। इस संबंध में ऑफिशियल वेबसाइट पर द्धह्लह्लश्चह्य://222.ठ्ठह्लड्ड.ड्डष्.द्बठ्ठ/ एक नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है। कैंडिडेट्स पोर्टल पर जाकर इसकी जांच कर सकते हैं। एनटीए ने अपने नोटिस में यह भी कहा है कि इसकी डिटेल्स में जानकारी जेईई मेन के लिए जारी होने वाले सूचना बुलेटिन में दी जाएगी।

मृतक युवक के पिता के बयान से हड़कंप, बोले- न्याय नहीं मिला तो पूरे परिवार के साथ करूंगा आत्मदाह

एनकाउंटर के बाद आज पहली जुमे की नमाज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बहराइच। बहराइच हिंसा में मारे गए युवक रामगोपाल मिश्रा के पिता कैलाशनाथ मिश्रा के बयान से हड़कंप मच गया है। कैलाशनाथ ने कहा कि मैं पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हूं। अगर न्याय नहीं मिला तो पूरे परिवार के साथ आत्मदाह कर लूंगा। उनके इस बयान से हड़कंप मच गया गया है। बता दें कि बहराइच हिंसा के पांचों आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। शुक्रवार को सीजेएम के सामने पेश करने के बाद सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कैलाशनाथ ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने

कहा कि हमें पूरा न्याय नहीं मिला है। जो मेरे बेटे के साथ हुआ है वो आरोपियों के साथ भी हो। उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। वहीं, मृतक युवक की पत्नी रोली मिश्रा ने भी दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है।

पांचों मुख्य आरोपियों को सीजेएम कोर्ट से सीधे जेल भेजा गया

महसी तहसील की महाराजगंज हिंसा के मुख्य आरोपियों को नानपारा के हांडा बसेहरी नहर के पास पुलिस मुठभेड़ में मोहम्मद तालीम उर्फ शब्बू और सरफराज उर्फ रिंकू के पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। वहीं, तीन अन्य आरोपियों अब्दुल हमीद, फहीम और मोहम्मद अफजल को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। शुक्रवार को सीजेएम आवास पर आरोपियों की पेशी होने के बाद पांचों आरोपियों को आरआरएफ, पीएसी और पुलिस की कड़ी सुरक्षा में 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच के महाराजगंज में हिंसा के बाद भारी पुलिसबल की तैनाती है। आरोपियों के एनकाउंटर के बाद आज जुमे की नमाज को देखते हुए पूरे जिले में पुलिस अलर्ट है। महाराजगंज में मस्जिद के आसपास बैरिकेडिंग की गई है। जिस जगह से हिंसा शुरू हुई थी, वहां पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।आने-जाने वालों के आईडी कार्ड चेक किए जा रहे हैं। गाड़ियों की भी चेकिंग की जा रही है।

जुमे की नमाज को देखते हुए महसी और महाराजगंज में जगह-जगह पुलिस और पीएसी के जवानों की तैनाती की गई है। गुरुवार को एनकाउंटर के बाद दो आरोपियों सरफराज और तालिब को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। दोनों को पैर में गोली लगी है। दोनों अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को रामगोपाल मिश्रा की हत्या मामले में पांच लोगों को अरेस्ट किया गया। इनके नाम फ़हीम, सबलू, सरफराज, अब्दुल हमीद और अफजाल हैं। बहराइच के महाराजगंज में 13 अक्टूबर को हिंसा में एक युवक रामगोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पांचों आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे

एसपी वृंदा शुक्ला के मुताबिक, पांचों आरोपी नेपाल भागने की तैयारी में थे। इनके पास से डबल बैरल बंदूक मिली है। आरोपियों ने इसी बंदूक से पुलिस पर गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस को भी गोलियां चलानी पड़ीं। मुठभेड़ में सरफराज और तालीम को गोली लगी है। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

10 में से छह आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं

पुलिस के मुताबिक, रामगोपाल मिश्री की हत्या मामले में अब तक 10 में से छह आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं, अन्य भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। महसी के महाराजगंज में 13 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया था और हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान 22 साल के रामगोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रामगोपाल की हत्या के बाद अगले दिन फिर महाराजगंज में हिंसा भड़क गई।

पराली जलाने के दुष्प्रभाव पर्यावरण पर पड़ते हैं : प्रीती वर्मा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जैदपुर बाराबंकी। खेतों में किसानों द्वारा धान की फसल काटने के बाद पराली जलाने की कई घटनाएं सामने आने के बाद जिला प्रशासन सख्त हो गया है। जिसके चलते हरख ब्लॉक में भी ग्राम प्रधानों व सचिवों के साथ बैठक कर पराली किसान किसी कीमत पर जलाने ना पाए इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम व उसके नुकसान को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विकास खण्ड हरख के सरदार वल्लभ भाई पटेल सभागार में शुक्रवार को पराली प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें खंड विकास अधिकारी प्रीति वर्मा ने मौजूद ग्राम प्रधानों व ग्राम सचिव के साथ ब्लॉक के कर्मचारियों से कहा कि किसानों को गांव में जाकर जागरूक किया जाए। कि वह खेत में पराली ना जलाए। पराली जलाने के दुष्प्रभाव पर्यावरण पर पड़ते हैं। जिससे प्रदूषण और मृदा के पोषक तत्वों को हानि होती है। इसलिए पराली किसी भी कीमत पर खेत में न जलाए। साथ में ही पराली प्रबंधन के लिए डी कंपोजर का उपयोग किया जाए। हैप्पी सुपर सीडर का प्रयोग आदि के बारे में बताया गया। अगर कोई कृषक पराली जलते हुए पाया जाता है तो उसके ऊपर जुर्माना किया जाता। ऐसे में जुर्माना करवाने से बचने के लिए पराली न जले जाए। और अगर कोई भी किसान खेत में पराली जलाते हुए पाया जाता है तो उसके ऊपर जुर्माना किया जाएगा। इस अवसर पर भूमि संरक्षण अधिकारी सौरभ कुमार, प्रभारी सहायक खंड विकास अधिकारी बृजेश कुमार, सहायक विकास अधिकारी कृषि सुरेंद्र कुमार, सहायक विकास अधिकारी महिला मीना कुमारी श्रीवास्तव, आईएसबी आलोक कुमार सिंह, बीटीएम विनोद कुमार सिंह एवं समस्त सचिव व ग्राम प्रधान के साथ ब्लाक अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे। जिसमें मुख्य रूप से सचिव कृष्ण कुमार सिंह,नवीन कुमार राय, अक्षिता अस्थान, आकाश पटेल, अतुल वर्मा सहित ग्राम प्रधान मौजूद थे।

अक्षयवट की पूजा के बिना नहीं मिलता संगम स्नान का फल

रामायण में वर्णित है माता सीता ने अक्षयवट को दिया था आशीर्वाद

» महाकुंभ 2025 के लोगों में भी प्राचीन अक्षयवट को दिया गया है स्थान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 को लेकर योगी सरकार प्रयागराज के तीर्थों का कायाकल्प करने में युद्धस्तर पर जुटी है। श्रद्धालुओं को कुंभनगरी की भव्यता और नव्यता का दिव्य दर्शन करवाने के लिए प्रदेश सरकार ने भारी भरकम बजट का ऐलान किया है। अक्षयवट का बड़ा पौराणिक महत्व है। मान्यता के अनुसार संगम स्नान के पश्चात 300 वर्ष पुराने इस वृक्ष के दर्शन करने के बाद ही स्नान का फल मिलता है। इसीलिए तीर्थराज आने वाले श्रद्धालु एवं साधु संत संगम में स्नान करने के बाद इस अक्षयवट के दर्शन करने जाते हैं।

जिसके बाद ही उनकी मान्यताएं पूरी होती हैं। सरकार की महत्वाकांक्षी अक्षयवट कॉरिडोर सौंदर्यीकरण योजना का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।महाकुंभ के दौरान यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह स्थान आस्था का प्रमुख केंद्र होगा।

रामायण, रघुवंश और ह्वेनत्सांग के यात्रा वृत्तांत में भी अक्षय वट का जिक्र

प्रभु श्रीराम वन जाते समय संगमनगरी में भरद्वाज मुनि के आश्रम में जैसे ही पहुंचे उन्हें, मुनि ने वटवृक्ष का महत्व बताया था। मान्यता के अनुसार माता सीता ने वटवृक्ष को आशीर्वाद दिया था। तभी

प्रलय के समय जब पृथ्वी डूब गई तो वट का एक वृक्ष बच गया, जिसे हम अक्षयवट के नाम से जानते हैं। महाकवि कालिदास के रघुवंश और चीनी यात्री ह्वेनत्सांग के यात्रा वृत्तांत में भी अक्षय वट का जिक्र किया गया है। कहा जाता है कि अक्षयवट के दर्शन मात्र से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। भारत में चार प्राचीन वट वृक्ष माने जाते हैं। अक्षयवट- प्रयागराज, गृद्धवट-सोरों 'शूकरक्षेत्र', सिद्धवट- उज्जैन एवं वंशीवट- वृंदावन शामिल हैं।

मुगलकाल में रहा प्रतिबंध

यमुना तट पर अकबर के किले में अक्षयवट स्थित है। मुगलकाल में इसके दर्शन पर प्रतिबंध था। ब्रिटिश काल और आजाद भारत में भी किला सेना के आधिपत्य में रहने के कारण वृक्ष का दर्शन दुर्लभ था।

योगी सरकार ने आम लोगों के लिए खोला था दर्शन का रास्ता

योगी सरकार ने विगत 2018 में अक्षयवट का दर्शन व पूजन करने के लिए इसे आम लोगों के लिए खोल दिया था। पौराणिक महत्व के तीर्थों के लिए योगी सरकार की ओर से कई विकास परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। यहां कॉरिडोर का भी कार्य चल रहा है।

काटने और जलाने के बाद भी पुन: अपने स्वरूप में आ जाता था वट वृक्ष

अयोध्या से प्रयागराज पहुंचे प्रसिद्ध संत और श्री राम जानकी महल के प्रमुख स्वामी दिलीप दास त्यागी ने बताया कि अक्षय वट का अस्तित्व समाप्त करने के लिए मुगल काल में तमाम तरीके अपनाए गए। उसे काटकर दर्जनों बार जलाया गया, लेकिन ऐसा करने वाले असफल रहे। काटने व जलाने के कुछ माह बाद अक्षयवट पुनः अपने स्वरूप में आ जाता था। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने अक्षय वट को लेकर जो सौंदर्यीकरण और विकास कार्य शुरू किए हैं वो स्वागतयोग्य हैं। महाकुंभ में संगम स्नान के बाद इसके दर्शन से श्रद्धालुओं को पुण्य प्राप्त होगा।

धूमधाम से निकली कलश यात्रा

» अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक देवी चित्रलेखा की कथा का शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। विकासखंड कुड़वार के अंतर्गत ग्राम सभा पुरे लेदई मे भाजपा नेता रामचंद्र मिश्र के यहां सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ हो गया। पंडाल पूजन के बाद कलश यात्रा का निकाली गई जिसमें इलाके भर के लोग शामिल हुए। गाजे बाजे के साथ जयकारा लगाते सर पर कलश रखे महिलाओं के समूह से माहौल भक्ति मय हो गया।यहाँ कथा वाचिका देवी चित्रलेखा अपने मधुर आवाज में श्रीमद् कथा भागवत कथा श्रवण पान करायेगी। शुक्रवार को पूजा अर्चना के साथ क्षेत्र की सैकड़ो महिलाएं सज धज कर सर पर कलश लेकर यात्रा पर निकली यात्रा में घोड़े और रथ शामिल रहे गाजे बाजे की धुन पर लोग जयकारा लगाते नजर आए कथा को लेकर इलाके वासियों

में जबरदस्त उत्साह नजर आया। यहाँ क्षेत्रवासी भक्ति गानों पर भारी संख्या में महिलाएं बच्चे और बुजुर्ग थिरकते नजर आये। इस कार्यक्रम में कथा आयोजक रामचंद्र मिश्रा, राम धीरज मिश्रा, राम अवध मिश्रा, राम मूरत मिश्रा राम अचल मिश्रा, चिरंजीव मिश्रा, मनोज तिवारी, प्रदीप शुक्ला, गोकुल प्रसाद पांडे, महावीर प्रसाद अमित सिंह सुरेश यादव आदि हजारों की संख्या में लोग कलश यात्रा में शामिल हुए ।

मानवाधिकार जीवन का मूलभूत अधिकार : सोमेन वर्मा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा चैराहे पर मूर्ति विसर्जन के अवसर पर पत्रकार एकता संघ/मानवाधिकार संरक्षण के राष्ट्रीय प्रभारी डीपी गुप्ता के दिशा निर्देशन व जिला सचिव राजदेव यादव के नेतृत्व तथा तहसील अध्यक्ष पवन कुमार की अध्यक्षता और गोमती मित्र मंडल तहसील अध्यक्ष बब्बन वर्मा की अध्यक्षता में लगे समिति कैंप का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा व एसडीएम गामिनी सिंगला (आई.ए.एस.) नें फीता काटकर किया। तत्पश्चात सोमेन वर्मा व गामिनी सिंगला नें मां दुर्गा की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर आराधना की। इसी क्रम में टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा तथा उपजिलाधिकारी गामिनी सिंगला का माल्यार्पण कर, बैज लगाकर अंगवस्त्र साल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। समिति की गतिविधियों के बारे में टीम द्वारा अवगत कराने पर सोमेन वर्मा व गामिनी सिंगला नें पूरी टीम की सराहना करते हुए टीम का उत्साह वर्धन कर अपने संबोधन में कहा कि मानवाधिकार के मौलिक अधिकारों व सामाजिक संरक्षणों का जो कदम समिति ने उठाया है वह बहुत ही प्रशंसनीय है, समिति की टीम को जहां भी जरूरत होगी वहां पर प्रशासन द्वारा मदद की जाएगी। समिति की महिला टीम उर्मिला देवी, रीता दुबे व शिक्षिका रीचू द्वारा सामूहिक रूप से खंड विकास अधिकारी वैशाली चोपड़ा (आई.ए.एस.) का अंग वस्त्र साल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया । जिला सचिव राजदेव यादव नें संगठन की गतिविधियों के बारे में खंड विकास अधिकारी द्वारा पूछे जाने पर बताया कि मानव अधिकार के कार्यक्षेत्र में मानव जीवन के अधिकारों के उल्लघंन के खिलाफ लड़ना भी शामिल है।

मिशन शक्ति फेज–5 के तहत महिलाओं, बालिकाओं व छात्र–छात्राओं को किया जागरूक

» एंटीरोमियो व महिला पुलिस ने कार्यशाला में दी सुरक्षा सम्बंधी विभिन्न जानकारियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सहारनपुर। एंटीरोमियों टीमों एवं महिला थाना पुलिस ने मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जनपद में अलग-अलग स्थानों पर महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं गोष्ठी व कार्यशाला आयोजित कर अपनी सुरक्षा एवं सम्मान हेतु विभिन्न जानकारियां प्रदान की।

महिला थाना पुलिस एवं एंटीरोमियों टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को आयोजित कार्यशाला में कानूनी प्रावधानों जैसे शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा आदि के बारे में जानकारी दी। इस दौरान बच्चों के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, सोशल मीडिया के दुष्प्रयोग से बचने आदि मुद्दों पर जागरूक किया गया। साथ ही वूमैन एम्पावरमेंट सम्बंधी विभिन्न हेल्पनम्बर 1090 वूमैन पावर, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाईन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन, 1930 साइबर अपराध, 108 एम्बुलैंस सेवा व 112 पुलिस आपातकालीन सेवा आदि के सम्बंध में पम्पलेट वितरित कर जानकारी दी।

बल्दीराय क्षेत्र में धूमधाम से सकुशल सम्पन्न हुआ दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाज़ार में विगत वर्षों की भांति विसर्जन को जाती हुई प्रतिमा को बल्दीराय ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह, एसडीएम गामिनी सिंगला(आईएएस), सीओ सौरभ सावंत, खण्ड विकास अधिकारी बल्दीराय वैशाली (आईएएस), केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति बल्दीराय के अध्यक्ष व समिति के पदाधिकारियों, प्रधान अमन सोनी ने माल्यार्पण कर नमन किया। भारी जन समूह के साथ अधिकारीगण मौजूद रहे। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना, पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा के निर्देशन में उपजिलाधिकारी गामिनी सिंगला, खंड विकास अधिकारी वैशाली चोपड़ा, डीएसपी सौरभ सामंत, तहसीलदार अरविन्द तिवारी,

थानाध्यक्ष धीरज कुमार, पारा चैकी प्रभारी चंद्रशेखर सोनकर आदि की सूझ बूझ से सभी प्रतिमाओं का विसर्जन सकुशल देर रात्रि संपन्न हुआ। इसौली ग्राम प्रधान द्वारा गोमती पुल के पास बनवाये गए सहायता शिविर में बल्दीराय खंड विकास अधिकारी वैशाली चोपड़ा समस्त स्टॉफ के साथ मूर्ति विसर्जन के प्रारम्भ से अंत तक उपस्थित रहीं। मूर्ति विसर्जन सकुशल सम्पन्न कराने के लिए क्षेत्र में कई जिलों की पुलिस व पीएसी के जवानों की तैनाती की गई थी।सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन द्वारा शोभा यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले दूसरे सम्प्रदाय के धार्मिक स्थलों किसी अप्रिय घटना से बचाव हेतु ढकवाकर उक्त स्थान पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करके सराहनीय क़दम उठाया गया। सकुशल मूर्ति विसर्जन की शोभा यात्रा सम्पन्न होने के बाद शासन प्रशासन सहित जनप्रतिनिधियो ने राहत की सांस ली। विगत दिनों विसर्जन के दौरान बहराइच में घटी घटना के कारण इस वर्ष विसर्जन में शासन व प्रशासन दोनों काफी गम्भीर था। बल्दीराय, पारा और वलीपुर के मूर्ति विसर्जन की पल-पल की सूचना मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ले रहे थे। मूर्ति विसर्जन सकुशल संपन्न हो जाने से आयोजकों के चेहरे खिल गए। आयोजकों ने सरकार व शासन-प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया।

प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रतापगढ़। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता, महिलाओं के अधिकार एवं बाल अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपर जिला जज ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए कानूनों का प्रावधान किया गया है, जिसे जागरूक होकर प्राप्त कर सकती हैं,

उन्होंने कहा कि कानून के अंतर्गत ऐसी व्यवस्था है कि लिंग के आधार पर किसी भी महिला के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा, लिंग परीक्षण के संदर्भ में उन्होंने बताया कि यदि इस कार्य में लिप्त कोई पाए गए तो प्रथम बार पकड़े जाने पर 3 वर्ष की सजा एवं आर्थिक दंड एवं द्वितीय बार पर 5 वर्ष की सजा एवं आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है।

पाक्सो एक्ट पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि इसके लिए विशेष न्यायालय का प्रावधान किया गया है। पीड़ित व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाती है एवं अपराधी को इसके लिए गंभीर सजा का प्रावधान किया गया है। घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि घरेलू हिंसा से पीड़ित महिला को उसी घर में निवास का अधिकार है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए लैंगिक उत्पीड़न से बचाने के लिए कानूनों का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि संपत्ति में महिलाओं को बराबरी का अधिकार प्राप्त है। इस अवसर पर प्राचार्य अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्रों में आगे आ रही हैं, लड़कियों आज शिक्षा प्राप्त कर प्रत्येक क्षेत्रों में नाम रोशन कर रही हैं। महिलाओं के शिक्षित होने से परिवार, समाज एवं देश आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर पीएलवी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राम प्रकाश पाण्डेय संचालक लीगल एड क्लीनिक ने बाल अधिकारों पर जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक बच्चे को जीवन का अधिकार, विकास का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार एवं सहभागिता का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने बच्चों के शिक्षा विकास एवं भरण पोषण हेतु सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं स्पॉन्सरशिप के बारे में जानकारी प्रदान किया। इस अवसर पर एआरपी धर्मेंद्र ओझा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निशुल्क विधिक सहायता एवं जागरूकता कार्यक्रम को लोगों को लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ नीरज कुमार त्रिपाठी जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर उपेंद्र सिंह, अजीत प्रताप सिंह, प्रणव ओझा, डॉ कुलदीप, अजय कुमार सिंह, डॉ शिव प्रताप सिंह, डॉ रेनू सिंह, डॉ पवन कुमार सिंह, सहदेव सिंह एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

साढ़े सात साल में 80 हजार से अधिक अपराधियों को मिली गुनाहों की सजा

54 अपराधियों को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा, महिला एवं किशोरियों के खिलाफ अपराधों में सर्वाधिक मृत्युदंड

» बिना गोली और हथियार के यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय अपराधियों को कर रहा ढेर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों की कमर तोड़ रही है। यूपी पुलिस जहां एक तरफ सीधा मुकाबला करते हुए अबतक 210 बदमाशों को ढेर कर चुकी है, वहीं एक बहुत बड़ी संख्या ऐसे अपराधियों की भी है, जिन्हें न्यायालय में पुलिस की प्रभावी पैरवी से बेदम कर दिया गया है। यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय इसमें अहम रोल अदा कर रहा है। पिछली सरकारों में जहां

अभियोजन निदेशालय हाशिये पर रहता था, वहीं योगी सरकार ने इसे खास तरजीह दी है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में अभियोजन निदेशालय की प्रभावी पैरवी से पिछले साढ़े सात वर्षों में 80 हजार से अधिक अपराधियों को उनके गुनाहों की सजा मिल चुकी है।

पिछले साढ़े सात साल में 81,196 से अधिक अपराधियों को दिलायी गयी सजा

अभियोजन निदेशालय के एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पिछले साढ़े सात साल में 81,196 से अधिक अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलायी गयी है। इनमें 29,196 अपराधियों में से 54 को मृत्युदंड, 3125 अपराधियों को आजीवन कारावास, 9,076 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 16,941

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति का दिख रहा असर, लगातार सलाखों के पीछे भेजे जा रहे अपराधी

गयी सजा

अभियोजन निदेशालय के एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पिछले साढ़े सात साल में 81,196 से अधिक अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलायी गयी है। इनमें 29,196 अपराधियों में से 54 को मृत्युदंड, 3125 अपराधियों को आजीवन कारावास, 9,076 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 16,941 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। इसके अलावा पिछले 16 माह में ऑपरेशन कन्वेशन के तहत पुलिस और अभियोजन विभाग की ओर से अब तक 52,000 से अधिक अपराधियों को सजा दिलायी जा चुकी है। महिला संबंधी अपराधों में क्रमशः महिलाओं के खिलाफ लैंगिक, बलात्कार, गंभीर अपराध, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य अपराध के मामलों में अगस्त-24 तक 28,700 अपराधियों को सजा दिलायी जा चुकी है। इनमें केवल महिलाओं के खिलाफ लैंगिक, बलात्कार, गंभीर अपराध समेत अन्य अपराध में 16,565 अपराधियों को सजा दिलायी गयी है। इन मामलों में 9 अपराधियों को मृत्युदंड, 1,720 को आजीवन कारावास, 4,443 को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 10,393 को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है।

पॉक्सो एक्ट में 12,135 और प्रदेश के दुर्दांत/टॉप 10 कैटेगरी के 496 अपराधियों को दिलायी सजा

एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पॉक्सो एक्ट के तहत अगस्त-24 तक 12,135 अपराधियों को गुनाहों की सजा दिलायी गयी है। इनमें 44 अपराधियों को मृत्युदंड, 1,354 अपराधियों को आजीवन कारावास, 4,599 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 6,138 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। इसी तरह अगस्त-24 तक प्रदेश के दुर्दांत और टॉप 10 कैटेगरी के 496 अपराधियों को सजा दिलायी गयी है। इनमें एक अपराधी को मृत्युदंड, 51 अपराधियों को आजीवन कारावास, 34 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 410 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। वहीं प्रदेश के 69 चिह्नित माफिया अपराधियों एवं उनके गिरोह के खिलाफ 25 मार्च 2022 से 31 अगस्त-24 तक कुल 42 मामलों में 29 अपराधियों को सजा दिलायी गयी है। इनमें एक मामले में मृत्युदंड, 5 मामलों में आजीवन कारावास, 7 मामलों में 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 29 मामलों में 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी है।

महापौर की अध्यक्षता में जोन-2 की समीक्षा बैठक, गृहकर वसूली पर जताया रोष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आज महापौर की अध्यक्षता में जोन-2 के अंतर्गत विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जोन-2 क्षेत्र के सभी पार्षदगण, मुख्य अभियंता, जोनल अधिकारी, नगर अभियंता, अधिशाषी अभियंता (जलकल) और जोनल स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।महापौर ने बैठक के दौरान जोन-2 क्षेत्र में आवासीय और अनावासीय भवनों की गृहकर वसूली में कमी पर गहरा रोष व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिया कि जोनल अधिकारी सभी भवनों को कराच्छादन की श्रेणी में लाते हुए शत-प्रतिशत गृहकर वसूली सुनिश्चित करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी भवन कराच्छादन से छूटने न पाए।बैठक में जी0आई0एस0 सर्वे में प्राप्त शिकायतों और उनके निस्तारण की जानकारी मांगी गई। महापौर ने

अधिकारियों को निर्देश दिया कि गृहकर मद में दिए गए लक्ष्य के अनुसार वसूली की जाए और सभी निरीक्षकों से प्रमाण-पत्र प्राप्त कर यह सुनिश्चित किया जाए कि उनके वार्ड में कोई भी भवन कराच्छादन से छूटा न हो।महापौर ने नजूल की भूमि पर नागरिकों द्वारा बनाए गए आवासों को कराच्छादन की श्रेणी में लाने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने का भी निर्देश दिया। चारबाग क्षेत्र के भवनों के पुनरीक्षण न होने पर उन्होंने खेद व्यक्त किया और कहा कि पुनरीक्षित भवनों से ब्याज को छोड़ते हुए पूर्व में वसूले गए गृहकर की धनराशि को समायोजित कर वसूली की जाए।बैठक में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए क्षेत्रीय पुलिस बल के सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। महापौर ने पिंक शौचालयों के संचालन के लिए क्षेत्रीय पार्षद से संपर्क करने और जोन-2 के सभी हेल्थ एटीएम का निरीक्षण कर उन्हें सक्रिय करने के निर्देश दिए।इसके अलावा, अवैध पार्किंग के संचालन को रोकने और यदि आवश्यक हो तो वैध पार्किंग के लिए नगर निगम स्तर से कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। दीपावली के पर्व से पूर्व सभी प्रकाश बिंदुओं को प्रज्जवलित करने और नए प्रकाश बिंदुओं की स्थापना के लिए एक सप्ताह के अंदर कार्यवाही सुनिश्चित करने का आदेश भी दिया गया।

केला बदलेगा यूपी के किसानों की किस्मत

निर्यात बढ़ने से यूपी के पूर्वांचल और अवध क्षेत्र के किसानों को होगा लाभ

» बेहतर गुणवत्ता से इन क्षेत्रों के केले की नेपाल, बिहार, पंजाब व दिल्ली में खासी मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आने वाले कुछ वर्षों में केला यूपी के किसानों की किस्मत बदलने वाला साबित होगा। इसका सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल और अवध क्षेत्र में शामिल कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, महराजगंज, बस्ती, संतकबीरनगर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, अमेठी और बाराबंकी जैसे अनेक जिलों के उन किसानों को मिलेगा जो पिछले करीब डेढ़ दशक से केले की खेती कर रहे हैं। इनके केले की गुणवत्ता भी अच्छी है इसीलिए प्रदेश के बड़े शहरों सहित नेपाल, बिहार, पंजाब, दिल्ली, जम्मू आदि में भी यहां के केले की खासी मांग है।

समुद्री रास्ते से केले के निर्यात का पायलट प्रोजेक्ट बना रहा केंद्र

दरअसल केंद्र के खाद्य उत्पाद निर्यात प्रसंस्कृत प्राधिकरण (एपीडा) केला, आम, आलू, अनार और अंगूर सहित फलों और सब्जियों के करीब डेढ़ दर्जन उत्पादों का समुदी रास्ते से निर्यात बढ़ाने के लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार कर रही है।

केले की खेती को पहले से ही प्रोत्साहन दे रही योगी सरकार

योगी सरकार के सात वर्षों के कार्यकाल के दौरान यूपी की कनेक्टिविटी एक्सप्रेसवे, एयरवेज और रेल सेवाओं के जरिये वैश्विक स्तर की हो गई है। इसे लगातार और बेहतर बनाया जा रहा है। ऐसे में लैंड लॉक्ड होना यूपी की प्रगति के लिए कोई खास मायने नहीं रखता। लिहाजा केंद्र की पहल का सर्वाधिक लाभ भी यूपी के किसानों को होगा। ऐसा इसलिए भी होगा क्योंकि योगी सरकार पहले से ही केले की खेती को प्रोत्साहन दे रही है। केले को करीब छह साल पहले ही कुशीनगर का ओडीओपी (एक जिला,एक उत्पाद) घोषित करना इसका सबूत है। यहां सिर्फ केले की खेती ही नहीं हो रही है बल्कि कई स्वयं सहायता समूह प्रसंस्करण के जरिए केले के कई उत्पाद (जूस, चिप्स, आटा,आचार आदि) और केले के रेशे से भी कई उत्पाद (हर तरह के पर्स, योगा मैट, दरी, पूजा की आसनी, चप्पल, टोपी, गुलदस्ता,पेन स्टैंड आदि) बना रहे हैं। कुशीनगर के लोग हाल ही में योगी सरकार द्वारा ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में भी गए थे। वहां भी उनके उत्पाद खूब पसंद किए गए। यही नहीं सरकार प्रति हेक्टेयर केले की खेती पर करीब 38 हजार रुपए का अनुदान दे रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबंध केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (रहमान खेड़ा लखनऊ) के निदेशक टी. दामोदरन की अगुआई में वैज्ञानिकों की टीम लगातार केला उत्पादक क्षेत्रों में विजिट कर फसल में रोगों, कीटों के प्रकोप की निगरानी करती है। जिलों के कृषि विज्ञान केंद्र भी किसानों को लगातार फसल की संरक्षा और सुरक्षा के बारे में बताते रहते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद निर्यात में सिर्फ एक फीसद हिस्सेदारी

एपीडा के आंकड़ों के मुताबिक भारत विश्व का सबसे बड़ा केला उत्पादक है। केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान से मिले आंकड़ों के मुताबिक भारत में लगभग 3.5 करोड़ मीट्रिक टन के उत्पादन के साथ लगभग 9,61,000 हेक्टेयर भूमि में इसकी खेती की जाती है। एपीडा के अनुसार वैश्विक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी करीब 30 फीसद है। पर, करीब 16 अरब के वैश्विक निर्यात में भारत की भागीदारी हिस्सेदारी सिर्फ एक फीसद है।

दो-तीन वर्षों में केले का निर्यात बढ़ाकर एक अरब डॉलर करने का लक्ष्य

एपीडा ने अगले दो से तीन वर्षों में केले का निर्यात बढ़ाकर एक अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। इसके मद्देनजर पहली बार मुंबई केले पर केंद्रित क्रेता विक्रेता सम्मेलन भी प्रस्तावित है। स्वाभाविक है कि इस सबका लाभ उत्तर के किसानों को सर्वाधिक मिलेगा।

टीकाकरण के बाद सभी एडवर्स केसों को सेफ-वैक पोर्टल पर रिर्पोट करें : प्रमुख सचिव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने निर्देश दिया कि टीकाकरण के पश्चात आने वाले सभी एडवर्स केसों को सेफ-वैक पोर्टल पर रिर्पोट करना सुनिश्चित करें। वह टीकाकरण के दुष्प्रभाव की निगरानी के लिए बनी नई गाइडलाइन पर जिलास्तरीय अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

लखनऊ के एक निजी होटल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि एडवर्स केसों की रिपोर्टिंग जनसमूह में टीकाकरण के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए भी अतिआवश्यक है। राज्य एवं जिलास्तर पर इन कारणों का मूल्यांकन कर सही कारण पता

लगाया जाना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से महानिदेशालय परिवार कल्याण द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला में महानिदेशक परिवार कल्याण डा० नरेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि जनपद स्तर पर एडवर्स इफेक्ट फालोइंग इम्युनाइजेशन (ए०ई०एफ०आई०) कमेटी में सभी विशेषज्ञों को गाइडलाइन के अनुसार सम्मिलित करते हुए आवश्यकतानुसार बैठक की जाए एवं केस रिपोर्ट न करने की स्थिति में भी बैठक अवश्य होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल वैक्सीन एक्शन प्लान 2016 के अनुसार प्रत्येक एक लाख जीवित शिशुओं पर प्रति वर्ष 10 ए०ई०एफ०आई० गंभीर केस रिपोर्ट होने चाहिए, जिसमें अधिकतर जनपद लक्ष्य से पीछे हैं। डॉ. अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि सभी ए०ई०एफ०आई० केसों को सेफ वैक पोर्टल पर रिपोर्ट करें एवं संबंधित सभी दस्तावेज अपलोड करें, जिससे संबंधित केस का एसेसमेन्ट गुणवत्तापूर्वक किया जा सके।

कार्यशाला में जनपदों के जिला प्रतिरक्षण अधिकारी एवं डब्ल्यूएचओ के एस०एम०ओ०, मण्डलीय एस०आर०टी०एल० ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में भारत सरकार से डा० विनीत गोयल, अपर निदेशक यू०आई०पी० डा० संदीपा श्रीवास्तव, राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डा० अजय गुप्ता, महाप्रबंधक डा० मनोज कुमार शुक्ल, राज्यस्तरीय अधिकारियों एवं सहयोगी संस्थाओं यूनीसेफ, यू ० ए न ० डी ० पी ० . यू०पी०टी०एस०यू०, जे०एस०आई के राज्यस्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

श्रद्धालु एवं पर्यटकों को हेलीकाप्टर से भ्रमण की भी सुविधा मिलेगी : जयवीर सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अगले साल प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ-2025 को अलौकिक एवं भव्य रूप देने के लिए राज्य सरकार के सभी विभागों को आवंटित कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम में पर्यटन विभाग ने समुद्र मंथन के 14 रत्नों पर आधारित 30 अस्थायी थिमैटिक गेट निर्माण कराने का निर्णय लिया है। इस दिशा में तेजी से कार्यवाही की जा रही है। पर्यटन विभाग का प्रयास है कि विश्व के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालु महाकुम्भ से एक नया अनुभव लेकर जायें।

यह जानका प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों में से एक महाकुंभ के शुरू होने में चंद माह शेष हैं। सरकार इसे भव्य और

दिव्य रूप से संपन्न कराने के लिए प्रयत्नशील है। पर्यटकों के स्नान, ध्यान और भ्रमण आदि की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। इसी क्रम में पर्यटन विभाग की ओर से मेला क्षेत्र में 30 अस्थायी थीमैटिक गेट्स स्थापित किए जाएंगे। समुद्र मंथन के 14 रत्नों और कुंभ आदि थीम पर गेट का अस्थायी निर्माण किया जाएगा। ताकि, श्रद्धालु समुद्र मंथन और कुंभ के महत्व से परिचित हों तथा आध्यात्मिक रूप से आकर्षित हों।

जयवीर सिंह ने बताया कि कुंभ में केंद्रित लैंप पोस्ट, फ्लैग पोस्ट और सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी एक अद्वितीय आयोजन है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। हमारा प्रयास है कि यहां आने वाले पर्यटक महाकुंभ स्नान के साथ-साथ वाटर स्पोर्ट और हेलीकॉप्टर से घूमने का आनंद प्राप्त करें, इसके साथ महाकुंभ प्रदेश के अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार का भी मंच बनेगा।

यूपी उपचुनाव सपा कांग्रेस मिलकर लड़ेंगी चुनाव हुआ सीटों का बंटवारा कांग्रेस के हिस्से में आईये सीटें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के उपचुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने इस बारे में अधिकृत जानकारी दी यूपी की 10 सीटों में होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस और सपा मिलकर चुनाव लड़ेंगे सपा 8 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि कांग्रेस को दो सीटें मिलेगी फिलहाल चुनाव आयोग ने 9 सीटों के लिए चुनावी कार्यक्रम तय किया है मिल्कीपुर की सीट पर पिटीशन होने की वजह से यहां के लिए चुनाव की तारीख के तय नहीं हुई है बाकी सीटों पर 13 नवंबर को चुनाव होना है सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि कांग्रेस को उपचुनाव में गाजियाबाद और खैर सेट दे दी गई है खैर सेट अलीगढ़ जिले में आती है इन दो सीटों के अलावा बाकी सीटें सपा लड़ने जा रही है कुंदर की सीट के अलावा पार्टी ने बाकी सीटों पर प्रत्याशी भी घोषित कर दिए हैं सूत्रों के मुताबिक सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच इस मुद्दे पर श्रीनगर में बुधवार को चर्चा हुई थी कांग्रेस पहले से ही यहदो सीटें मांग रही थी।

ऐप बेस्ड 'वॉटर मॉनिटरिंग मैनेजमेंट सिस्टम' बनेगा जल प्रबंधन का आधार

सीएम योगी के विजन अनुसार, महाकुंभ-2025 के दृष्टिगत प्रयागराज में वॉटर मॉनिटरिंग मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए जल प्रबंधन पर फोकस

» यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) करेगा वॉटर मॉनिटरिंग सिस्टम का निर्माण, आधुनिक सुविधाओं से होगा युक्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जनवरी 2025 में शुरू होने वाले महाकुंभ को लेकर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में तेजी ला रही है। सीएम योगी का विजन है कि महाकुंभ दिव्य व भव्य होने के साथ ही आधुनिक तकनीक का समावेश करते हुए नव्य स्वरूप में श्रद्धालुओं व पर्यटकों के समक्ष प्रदर्शित हो। ऐसे में, योगी सरकार द्वारा महाकुंभ मेला क्षेत्र को नवीन सुविधाओं से युक्त करने के साथ ही पूरे प्रयागराज में तमाम इनोवेशन व टेक बेस्ड इनीशिएटिव्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में, योगी सरकार वेबसाइट व मोबाइल ऐप बेस्ड 'वॉटर मॉनिटरिंग मैनेजमेंट सिस्टम' के जरिए महाकुंभ मेला क्षेत्र में जल प्रबंधन की प्रक्रिया को पूरा करने पर फोकस कर रही है।

यह मोबाइल ऐप बेस्ड वॉटर मॉनिटरिंग मैनेजमेंट सिस्टम सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के लिए निर्मित किया जाएगा जो आधुनिक सुविधाओं युक्त होगा और इसके जरिए जल प्रबंधन की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी व पूर्ति जैसे कार्यों को पूरा कर सकेगा। सीएम योगी के विजन अनुसार, इस आधुनिक सुविधा युक्त ऐप बेस्ड सिस्टम के विकास व निर्माण का कार्य यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) को सौंपा गया है।

महाकुंभ और भविष्य की जरूरतों के आधार पर होगा विकास

परियोजना के अनुसार, महाकुंभ जल निगरानी प्रणाली एक व्यापक समाधान है जो एक वेब पोर्टल और एक मोबाइल एप्लिकेशन को एकीकृत करता है जिसे विभिन्न पूर्वनिर्धारित नियंत्रण बिंदुओं पर जल स्तर की निगरानी और रिपोर्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रणाली का उद्देश्य डाटा को त्वरित समीक्षा के लिए संक्षिप्त, पूर्व-संगठित प्रारूप में समेकित करना और बढ़े हुए जल स्तर, भारी वर्षा और बाढ़ जैसी स्थितियों के दौरान त्वरित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करना है। यह प्रणाली महाकुंभ आयोजन और भविष्य की विभागीय जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण है।

इस प्रणाली को एफिशिएंट रिपोर्टिंग, क्विक डिसीजन मेकिंग, रोल बेस्ड एक्सेसिबिलिटी, अलर्ट व नोटिफिकेशंस, डाटा एनालिसिस व ट्रेंड मॉनिटरिंग तथा वॉटर लेवल ट्रेंड प्रेडिक्शन मैट्रिक्स से लैस किया जाएगा। वहीं, जलस्तर की निगरानी के लिए कंट्रोल प्वॉइंट्स के जीपीएस को-ऑर्डिनेट्स का डाटाबेस तैयार किया जाएगा। साथ ही, भौगोलिक स्थिति के अनुरूप नए कंट्रोल प्वॉइंट्स निर्माण के निर्माण का भी यह आधार बनेगा।

ऐप व वेबसाइट को इन सुविधाओं से किया जाएगा युक्त...

- सिक्योर रोल बेस्ड लॉग-इन, रोल स्पेसेफिक डैशबोर्ड व सिक्योर ऑथेंटिकेशन।

- नए कंट्रोल प्वॉइंट्स को बनाने के लिए जीपीएस को-ऑर्डिनेट्स का संकलन, कंट्रोल प्वॉइंट्स की रेगुलर अपडेट्स व लॉग रिपोर्ट तैयार करने में सक्षम होगा।

- ऑटोमैटिक डाटा कंपाइलेशन, कंट्रोल प्वॉइंट्स की जियो टैगिंग, समरी रिपोर्ट तथा अलर्ट व नोटिफिकेशन मैकेनिज्म से युक्त होगा।

- गूगल मैप्स के साथ इंटीग्रेशन आर्क जीआईएस तथा मैप्स पर वन व्यू डाटा की जानकारी, क्लिक एबल्ड मैप मार्कर्स व डेंजर जोन की कंप्लायंस रिपोर्ट का संकलन कर सकेगा।

- यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, हाइपरलिंक एक्सटेंशन, ईजी नेविगेशन तथा डीटेल्ड डाटा का एक्सपोर्ट ऑप्शन उपलब्ध कराने में सक्षम होगा।

- मैप पर उपलब्ध जियोग्राफिकल फीचर्स के रोबस्ट फिल्टरिंग मैकेनिज्म को डेवलप करने में सक्षम होगा।

- कंट्रोल प्वॉइंट्स के ट्रेंड एनालिसिस व प्रेडिक्शन मैट्रिक्स लेआउट एनालिसिस के लिए ग्राफ व चार्ट का संकलन उपलब्ध कराएगा।

क्रियान्वयन के 19 वर्षों के बाद आरटीआई अधिनियम के रिकॉर्ड पर एक नजर

आम तौर पर,सार्वजनिक अभिलेखों में अधिकांश जानकारी सार्वजनिक गतिविधि से उत्पन्न होती है। जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) को यह तय करना होता है कि क्या यह निजता का उल्लंघन है। निजता का संबंध घर के भीतर के मामलों, व्यक्ति के शरीर, यौन वरीयताओं आदि से है। यह संविधान के अनुच्छेद 19(2) के अनुरूप है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम ने 12 अक्टूबर, 2024 को 19 वर्ष पूरे कर लिये। जब इसे पहली बार लागू किया गया था, तो इसने नागरिकों में बहुत उत्साह पैदा किया था, जिन्होंने अपनी सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की संभावना देखी थी। हम भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं, लेकिन इसका आम नागरिकों के लिए कल्याण और सुशासन में परिवर्तन अभी तक नहीं हुआ है। लोकतंत्र को 'लोगों द्वारा लोगों के लिए लोगों का शासन' के रूप में परिभाषित किया जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि जब कोई आम नागरिक किसी सरकारी कार्यालय में जाता है, तो वह अक्सर आहत, अपमानित और निराश महसूस करता है। पहली बार, हमारे पास ऐसा कानून था जो व्यक्तिगत नागरिक की संप्रभुता को मान्यता देता था और नागरिक की सरकार और सभी लोक सेवकों पर सर्वोच्चता को भी स्वीकार करता था। इसने इस तथ्य को भी मान्यता दी कि सरकार के पास नागरिकों की ओर से सभी जानकारी होती है। सशक्त नागरिक अपनी शिकायतों के निवारण और भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आरटीआई का इस्तेमाल करते थे।

आरटीआई अधिनियम में ऐसी सूचनाओं की सूची नहीं है, जिन्हें नागरिक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि इसमें ऐसी सूचनाओं की एक छोटी नकारात्मक सूची है, जिन्हें नागरिक को देने से मना किया जा सकता है। बाकी सभी सूचनाओं को नागरिकों के साथ साझा किया जाना था। यह दुनिया के सबसे बेहतरीन पारदर्शिता कानूनों में से एक था, लेकिन यह वायदा किये गये परिणाम और बेहतर शासन नहीं दे रहा है, क्योंकि विभिन्न उपाय और उन्हें लागू करने वाले अनेक अधिकारी कानून का पालन नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसे विकृत कर रहे हैं।

यह अधिनियम मानता है कि सभी मौजूदा सूचनाएं किसी नागरिक को मांगे जाने पर दी जानी चाहिए और अगर कोई लोक सेवक बिना उचित कारण के 30 दिनों के भीतर सूचना देने से मना करता है, तो उस पर व्यक्तिगत जुर्माना लगाया जा सकता है। असंतुष्ट नागरिकों के लिए, यह विभाग के भीतर एक वरिष्ठ अधिकारी के पास अपील करने का प्रावधान करता है और यदि यह संतोषजनक नहीं है, तो कानून सूचना आयोग के रूप में एक दूसरा अपीलीय प्राधिकरण बनाता है। इसने आयोगों को अपने आदेशों को लागू करवाने के लिए पर्याप्त अधिकार दिये। सूचना आयुक्तों का चयन प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और केंद्रीय आयोग के लिए एक अन्य मंत्री और राज्य आयोगों के लिए मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और एक अन्य मंत्री वाली समिति द्वारा किया जाना था।

यह आरटीआई अधिनियम की कमजोर कड़ी बन गयी। आयुक्तों का चयन बिना किसी पारदर्शी प्रक्रिया के किया गया और, ज्यादातर मामलों में, पद ऐसे लोगों को दिये गये जो नौकरशाही और राजनीतिक नेटवर्क में काम कर सकते थे। नतीजतन, बड़ी संख्या में ऐसे आयुक्तों का चयन किया गया, जिन्हें न तो पारदर्शिता के प्रति कोई झुकाव था और न ही इसके प्रति कोई प्रेम। उनमें से कई ने इन पदों को सेवानिवृत्ति के बाद की नौकरी या सेवा में रहते हुए किए गये उपकारों के पुरस्कार के रूप में देखा। वे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) से उत्पन्न होने वाले मौलिक अधिकार के रूप में सूचना के अधिकार के महत्व को नहीं पहचानते या समझते थे। कानून में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि सूचना मांगने के लिए कोई कारण बताने की आवश्यकता नहीं है। आयुक्तों और न्यायालयों ने आवेदकों से यह पूछना शुरू कर दिया कि वे सूचना क्यों चाहते हैं। यदि उत्तर उन्हें संतुष्ट नहीं करता, तो वे आवेदकों को सूचना देने से इनकार कर देते हैं। यह इस तथ्य से और भी बढ़ गया है कि देश में कई आयुक्त किसी भी गंभीरता से काम नहीं करते हैं। उनमें से कई सप्ताह में 40 घंटे भी काम नहीं करते हैं। अधिकांश मामलों में मामलों का निपटारा बिल्कुल अस्वीकार्य है। कई आयुक्त एक महीने में 50 से 100 मामलों का निपटारा करते हैं। उन्हें प्रति माह लगभग 400 से 500 मामलों का निपटारा करना चाहिए, जैसा कि कुछ करते हैं। एक बेंचमार्क के रूप में, मैं उल्लेख कर सकता हूं कि भारतीय उच्च न्यायालयों में मामलों का औसत निपटान, जो अधिक जटिल हैं, प्रति माह 200 मामलों से अधिक है।

प्यार की राह में मजहब की दीवारें: लव जिहाद

राम पुनियानी

लव जिहाद का उद्देश्य क्या है, इसे लेकर कई प्रकार की बातें की जाती है। पहला उद्देश्य बताया जाता है देश की जनसंख्या में विभिन्न धर्मों के अनुपात में बदलाव करना। अभी तक जो प्रोपगेंडा बड़े पैमाने पर किया जाता था वह था कि मुसलमानों की 'चार बीबियां और चालीस बच्चे' होते हैं और जल्दी ही उनकी आबादी हिंदुओं से अधिक हो जाएगी। अब लव जिहाद और उसके जरिए हिंदू लड़कियों का धर्मपरिवर्तन करना।

कुछ दिन पहले (1 अक्टूबर को) बरेली की एक अदालत ने यौन हिंसा के एक मामले में एक मुस्लिम युवक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपने फैसले में न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि यह लव जिहाद का मामला है और पुलिस इसे उस स्वरूप में प्रस्तुत करने में असफल रही है। इस मामले में लड़की हिंदू थी। मुकदमे की कार्रवाई के दौरान लड़की ने यह कहते हुए अपनी शिकायत वापस ले ली थी कि उसे हिंदुत्ववादी संगठनों के दबाव के चलते झूठी शिकायत दर्ज करवानी पड़ी थी। लेकिन न्यायाधीश महोदय ने इन तथ्यों को नजरअंदाज कर दिया। संभवतः उनके फैसले पर समाज में चल रहे प्रोपेगेंडा का असर था। न्यायाधीश दिवाकर ने अपने फैसले में यह अजीब टिप्पणी की कि-'मुस्लिम पुरूष, हिंदू महिलाओं से शादी करने के उद्देश्य से उन्हें निशाना बनाते हैं।'

फैसले में आगे कहा गया 'कुल मिलाकर, मुस्लिम पुरुषों द्वारा गैर-मुस्लिम समुदायों की महिलाओं से प्यार का नाटक कर उनसे विवाह करना और उनका धर्मपरिवर्तन करवाना लव जिहाद है। एक धर्म विशेष के अराजकतावादी तत्व, लव जिहाद के माध्यम से गैर-कानूनी धर्मपरिवर्तन करवाते हैं। उनसे यह सब या तो कोई करवाता है या वे स्वयं यह साजिश रचते हैं...लव जिहाद के लिए बहुत धन की जरूरत होती है। इसलिए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि इसके लिए विदेशी धन का इस्तेमाल किया जा रहा हो...।' लव जिहाद के लिए विदेशी धन का इस्तेमाल एक नया शिगूफा है। बेहतर होता कि जज साहब यह भी बता देते कि इसके लिए धन किस देश से आ रहा है।

लव जिहाद से जुड़ा प्रोपेगेंडा, जिहाद सीरीज का पहला एपीसोड था। अब कई प्रकार के जिहादों की चर्चा आम हो चुकी है जिनमें लव जिहाद के अलावा यूपीएससी जिहाद, फ्लड जिहाद, कोरोना जिहाद आदि शामिल हैं। कुछ घोर साम्प्रदायिक एंकरों को जिहादों की सूची को लम्बा करने में महारत हासिल है। वे मुसलमानों को हर चीज से जोड़ने में सिद्धहस्त हैं - चाहे वो बाढ़ हो या कोई बीमारी। यह छोटे-छोटे मुद्दों को तिल से ताड़ बनाकर एक ऐसे धार्मिक समुदाय, जिसका धर्म 'विदेशी' बताया जाता है, का दानवीकरण करने का मामला है। इस समुदाय को 'पराया' और 'दुश्मन' बताया जाता है और खुलेआम भी और दबे-छिपे तरीकों से भी उस पर हमले किए जाते हैं. यह 'पराए' और 'दुश्मन' वाला नजरिया ही साम्प्रदायिक राजनीति और हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति की जड़ में है, जिसका इस समय भारतीय समाज में बोलबाला है।

लव जिहाद संबंधी प्रोपेगेंडा बहुत पुराना नहीं है। कुछ दशक पहले केरल के कुछ ईसाई बिशपों ने यह मिथ्या आरोप पहली बार लगाया और जल्दी ही इसे हिन्दू राष्ट्रवादियों ने बड़े पैमाने पर फैलाना शुरू कर दिया। शाखाओं, उसके द्वारा संचालित स्कूलों, मीडिया और सोशल मीडिया के एक हिस्से और आईटी सेलों के कारण आरएसएस की प्रोपेगेंडा फैलाने की क्षमता बहुत अधिक है। जांच के पश्चात यह गलत पाया गया कि कोई ऐसा संगठन है जो हिंदू लड़कियों को फंसाने के लिए मुस्लिम युवकों को धन उपलब्ध करवाता है।

लव जिहाद का उद्देश्य क्या है, इसे लेकर कई प्रकार की बातें की जाती है। पहला उद्देश्य बताया जाता है देश की जनसंख्या में विभिन्न धर्मों के अनुपात में बदलाव करना। अभी तक जो प्रोपगेंडा बड़े पैमाने पर किया जाता था वह था कि मुसलमानों की 'चार बीबियां और चालीस बच्चे' होते हैं और जल्दी ही उनकी आबादी हिंदुओं से अधिक हो जाएगी। अब लव जिहाद और उसके जरिए हिंदू लड़कियों का धर्मपरिवर्तन करना और बच्चे पैदा करना इसमें जुड़ गया है। इसमें अब यह बात भी जोड़ दी गई है कि इन लड़कियों को इस तरह का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि उन्हें इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों की फौज में शामिल किया जा सके।

लव जिहाद के प्रोपेगेंडा का मुख्य पहलू है उसका पितृसत्तात्मक मूल्यों से जुड़ाव। पितृसत्तात्मकता और धर्म-आधारित राष्ट्रवाद का चोली-दामन का साथ है। देश में साम्प्रदायिक राजनीति के प्रबल होने के साथ-साथ महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं और साथ ही बलात्कार की घटनाएं भी। तीस्ता सीतलवाड के अनुसार, 'जिन समुदायों को हमलों का निशाना बनाया जाता है उनकी महिलाओं को उन समुदायों के 'सम्मान का प्रतीक' मानकर खासतौर पर घृणा और हिंसा का शिकार बनाया जाता है। हमने यह विभाजनकाल की हिंसा में 1946-47 में देखा, असम के नेल्ली में 1983 में देखा, दिल्ली में 1984 में देखा, बंबई में 1992-93 और गुजरात में 2002 में देखा। हाल में, 2023 में हमने यही मणिपुर में देखा। इसकी वजहें समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक और वैचारिक हैं। हमें यह हमेशा याद रखना चाहिए कि भाजपा पर उसकी विचारधारात्मक पितृ संस्थाओं आरएसएस और हिंदू महासभा का नियंत्रण है- जो अति दक्षिणपंथी संगठन हैं। वे धर्म का सैन्यीकरण करना चाहते हैं और महिलाओं और उनकी लैंगिकता पर नियंत्रण चाहते हैं।' यहां हिंदू राष्ट्रवाद के शीर्षस्थ विचारक विनायक दामोदर सावरकर द्वारा की गई शिवाजी की निंदा का जिक्र प्रासंगिक होगा। शिवाजी की सेना द्वारा लूटपाट के दौरान बंदी बनाई कल्याण के मुस्लिम गवर्नर की बहू को उनके सामने पेश किया गया और शिवाजी ने उसे ससम्मान वापिस भेजने का आदेश दिया। सावरकर ने शिवाजी द्वारा उसे इंतकाम का निशाना न बनाने और वापिस भेजने के निर्णय की आलोचना की। 'लव जिहाद' के बढ़ते शोर-शराबे के बीच इतिहासकार चारू गुप्ता का कहना है कि यह महिलाओं के जीवन पर नियंत्रण रखने का तंत्र है। 'हिंदू दक्षिणपंथियों के इस झूठे दावे कि लव जिहाद फैलाने वाला संगठन हैं जो हिंदू महिलाओं को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य करने के उद्देश्य से प्रेम का झूठा प्रपंच रचते हैं, सन- 1920 में तथाकथित अपहरणों को लेकर किए गए प्रचार जैसा ही है। 1920 हो या 2009, हिंदू पितृसत्तात्मक नजरिया इन अभियानों के साथ बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है। मुस्लिमों द्वारा सताई गई असहाय हिंदू महिलाओं की छवि बड़े पैमाने पर प्रस्तुत की जाती है और महिलाओं के अपनी मर्जी से फैसला करने के वैध अधिकार को नजरअंदाज किया जाता है।'

इन बातों को ध्यान में रखते हुए ही बजरंग दल की रक्षा बंधन जैसे अवसरों पर दिखाई जाने वाली अतिसक्रियता को देखा जाना चाहिए जब वे हिंदुओं के घरों पर जाते हैं और अभिभावकों को अपनी बेटियों पर 'नजर रखने' की ताकीद देते हैं। इस प्रोपेगेंडा का असर हो रहा है और समाज के विभिन्न वर्गों पर इसका प्रभाव पड़ रहा है। मुस्लिम युवकों पर हमलों के कई मामले सामने आ रहे हैं। प्रियंका टोडी और रिजवान खान के प्रकरण का पटाक्षेप रिजवान खान की त्रासद मृत्यु के साथ हुआ। कई मामलों में इसका ठीक उलट भी होता है जैसे अंकित भंडारी की हत्या उस मुस्लिम लड़की के रिश्तेदारों द्वारा कर दी गई जिससे वह प्यार करता था। हादिया के मामले, जिसमें अखिला अरूना ने धर्म परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण कर लिया था, से कई खुलासे होते हैं। उसने अपने मुस्लिम मित्रों से हुई चर्चाओं की वजह से इस्लाम अपनाया। इसके बाद उसने शफीक जहां से विवाह किया। अदालत ने उसे इस आधार पर उसके पिता को सौंपने का आदेश दिया कि उसका ब्रेन वॉश कर दिया गया है और उसे आईसिस में शामिल कर लिया जाएगा। उसने सर्वोच्च न्यायालय तक अपील की जिसने उसका बयान सुनने के बाद उसका पति के साथ रहने का अधिकार पुनःस्थापित किया।

अजब-गजब

पत्नी का बॉयफ्रेंड निकला घर का ये शख्स, 20 साल से चल रहा था 'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' वाला रिश्ता

दुनिया का कोई भी रिश्ता हो वो विश्वास की डोर पर ही चलता है। खासकर जब ये बात पति-पत्नी की हो तो इस डोर को तो और ज्यादा मजबूत रखने की जरूरत होती है क्योंकि एक गलत संदेह और रिश्ता पूरी तरीके से खत्म। ऐसा ही कुछ इन दिनों लोगों के बीच देखने को मिला, जिसके बारे में अब हर कोई हैरान नजर आ रहा है। बंदे ने जब अपनी पत्नी की कहानी दुनिया को बताई तो हर कोई हैरान रह गया और ज्यादातर लोग यही सोच रहे हैं कि इस तरह कोई अपने पति को कैसे धोखा दे सकता है।

इस पोस्ट को एक 50 साल के व्यक्ति ने पोस्ट किया और बताया कि मुझे बहुत ज्यादा तकलीफ हो रही है कि मेरी पत्नी ने मुझे इस तरह से धोखा दिया। फिलहाल मैं अभी काफी ज्यादा ठगा हुआ महसूस कर रहा हूं और यह जानकर मुझे गुस्सा आ रहा है कि मेरा पूरा परिवार इस राज को जानता था, लेकिन किसी ने मुझे इसकी खबर तक नहीं दी। अपनी दुख भरी कहानी को सोशल मीडिया पर शेयर करने के बाद शख्स ने लोगों से राय मांगी कि उसे अब क्या करना चाहिए।

बंदे ने लिखा कि मेरे भाई ने मेरी पत्नी के साथ हमारे डेट के दौरान मुलाकात की थी, जिसका मुझे कुछ पता भी नहीं चल पाया। फिलहाल हमारी शादी को 20 साल हो गए और एक दिन मुझे मेरे भाई ने डिनर के दौरान आपके डेट के दौरान मेरा और भाभी का रिलेशन 'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' था। हालांकि मुझे शक तो उसी समय हो गया था कि क्योंकि मेरे साथ डेट के कुछ महीने बाद ही मेरी पत्नी प्रेग्नेंट हो गई थी। फिर हमने जल्द ही शादी कर ली। पति ने बताया कि यह खुलासा उसके और पत्नी के रिश्ते में खटास पैदा कर रहा है।

इस सच्चाई का जब मेरी पत्नी को पता चला तो अब वो मेरा फोन तक नहीं उठा रही है। हालांकि पहले भी हमारी शादी में कुछ ट्रस्ट इशूज रहे हैं, जिस कारण से हम पहले से ही अलग-अलग सोते हैं। इस कहानी को जानने के बाद हर कोई हैरान है कि इतने सालों तक ये सच्चाई कैसे छीपी रह सकती है। इस पोस्ट को पढ़ने के बाद ज्यादातर लोगों ने यही लिखा कि सबसे दर्दनाक बात यह है कि उसके परिवार के सभी लोग इस बात को जानते थे और इस बड़ी बात को जानबूझकर उससे छुपाए रखा।

संपादक की कलम से

दक्षिण भारत में भारी बारिश का कहर, पर्यावरण की बिगड़ती सेहत चिंता का विषय

प्रभात पांडेय

आज हम इस संकट से प्रतिदिन जूझ रहे हैं। सुविधा हमारे लिए सर्वोपरि हो गया है और पर्यावरण दूसरे पायदान पर चला गया है।

चक्रवाती गतिविधि के चलते दक्षिण भारत के कई राज्यों में भयंकर बारिश रिकॉर्ड की गई, तमिलनाडु में जारी तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश की वजह से लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, राज्य के कई हिस्सों में जलभराव व बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश को देखते हुए राज्य के कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया हैं। कई हिस्सों में बस सेवाओं पर असर पड़ा है। जलभराव की वजह से चेन्नई सेंट्रल-मैसूर कावेरी एक्सप्रेस समेत चार एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द किए जाने की खबर है। इसके अलावा कई घरेलू उड़ानें भी स्थगित की गई हैं।

मॉनसून 2024 ने देशभर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश और असामान्य तापमान के साथ भारत को झकझोर कर रख दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के चलते मौसम का यह अस्थिर रूप देखने को मिला है। भारी वर्षा और बढ़ते न्यूनतम तापमान ने कई क्षेत्रों को प्रभावित किया और भविष्य में इस स्थिति के और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। हाल के वर्षों की तरह ही 2024 के मॉनसून में पिछले पांच सालों में सबसे अधिक बहुत ज्यादा बारिश और अचानक बाढ़ आ जाने की घटनाएं हुईं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष देशभर में सामान्य से अधिक बारिश हुई। भारत ने 1 जून से 30 सितंबर तक कुल 934.8 मिमी बारिश दर्ज की, जो मौसमी औसत 868.6 मिमी से अधिक है। मॉनसून का यह प्रदर्शन, विशेष रूप से जुलाई से सितंबर के महीनों में, अप्रत्याशित रहा, जबकि जून में अल-नीनो के प्रभाव के कारण 11 प्रतिशत की बारिश की कमी देखी गई थी। हाल के वर्षों में मॉनसून के प्रदर्शन में वार्षिक परिवर्तनशीलता में वृद्धि देखी गई है। वैज्ञानिक मॉनसून परिवर्तनशीलता में वृद्धि जैसी चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि का श्रेय ग्लोबल वार्मिंग को देते हैं।

क्लाइमेट चेंज होने के कारण धरती की गर्मी बढ़ने के साथ-साथ, दुनिया के कई हिस्सों में सूखा, बाढ़, पानी की कमी, भंयकर आग, समंदर का लेवल बढ़ना, ध्रुवीय बर्फ का पिघलना, विनाशकारी तूफान और घटती जैव विविधता आदि शामिल हैं।

पिछले कई सालों से हम सुन रहे हैं कि दुनिया का क्लाईमेंट बदल रहा है। दुनिया में गर्मी बढ़ रही है। ओज़ोन की परत में कुछ हो गया है. आने वाले सालों में किसी भी जगह का मौसम जैसा है वैसा नहीं रहेगा. सुनने में यह भी आता है कि इसको लेकर सेमिनार हो रहे हैं, बच्चों को स्कूलों में पढ़ाया जा रहा है इसके बारे में, सरकारें इससे निपटने के लिए पैसा खर्च कर रही है, इसके लिए मंत्रालय बन गए हैं. भारत सरकार का ही एक मंत्रलाय है - पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय. राज्य स्तर पर भी विभाग हैं, मंत्री हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ है, अर्थ सम्मिट हैं, और इसके लिए आवाज़ उठाते हज़ारों प्रदर्शनकारी हैं. लेकिन इसके बावजूद हम में से कई यह नहीं जानते कि दरअसल यह ठीक ठीक है क्या? क्या सच में दुनिया इसके वजह से एक दिन नष्ट हो जायेगी?

क्लाइमेट चेंज की बात करें तो इसका तात्पर्य धरती की पर्यावरणीय स्थितियों में परिवर्तन से है। ये कई आंतरिक और बाहरी कारकों के कारण होता है। पिछले कुछ दशकों में जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चिंता बन गया है। इसके अलावा, ये क्लाइमेट चेंज धरती पर जीवन को कई तरीकों से प्रभावित करते हैं। लेकिन मुख्य कारण तापमान और मौसम के पैटर्न में लम्बे समय से बदलाव है। ऐसे बदलाव सूरज के तापमान में बदलाव या बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण प्राकृतिक रूप में हो सकते हैं। लेकिन 18वीं दशक से, इंसानी गतिविधियां क्लाइमेट चेंज का मुख्य कारण बनी हैं, जिसमें मुख्य रूप से कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन का जलना है।

मनुष्यों द्वारा बिठाई गयीं फैकटरियों से निकलते हुए धुंए से, और हमारी गाड़ियों, घरों, वाहनों में गैस, तेल, कोयले की खपत के कारण होता है। जब फॉसिल फ्युएल जलने पर ग्रीनहाउस गैसेस एमिट करते हैं, मुख्यतः कार्बन डाईऑक्साइड (CO2)। ग्रीनहाउस गैस खतरनाक होती हैं क्योंकि ये सूरज की गर्मी को ट्रैप करती हैं जिसकी वजह से धरती का तापमान बढ़ता है। 19वीं सदी के मुकाबले आज पृथ्वी का तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा है और हवा में तब के मुक़ाबले डेढ़ गुणा कार्बन डाईऑक्साइड (CO2) है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर हमें पृथ्वी बचानी है तो किसी भी सूरत में वैश्विक तापमान को इससे ज्यादा नहीं बढ़ने देना होगा जबकि हाल ही में प्रकाशित हुए एक रिपोर्ट के मताबिक, इस सदी के अंत तक पृथ्वी का तापमान 2.4 डिग्री तक बढ़ जाने का अनुमान है।

क्लाइमेट साइंटिस्ट्स के मुताबिक पिछले 200 सालों में लगभग सभी ग्लोबल हीटिंग के लिए हम इंसान जिम्मेदार हैं। लगभग साढ़े चार दशक से दुनिया में इस बात को लेकर बहस चल रही है कि समय रहते हम नहीं चेते तो पर्यावरण का सत्यानाश हो जाएगा। आज हम इस संकट से प्रतिदिन जूझ रहे हैं। सुविधा हमारे लिए सर्वोपरि हो गया है और पर्यावरण दूसरे पायदान पर चला गया है।

ईश्वर ने नदी, झरने, सागर, पर्वत, सूर्य, आकाश जैसे अनूठे तत्वों की रचना हमारे अस्तित्व के विकास के लिए की है। इन सभी अवयवों में के बीच एक संतुलन है, लेकिन विकास की होड़ में इंसानों ने इस संतुलन को बिगाड़ दिया है। पर्यावरण को लेकर सरकार और कम्पनियों की ज़िम्मेदारी के अलावा हमारी भी जवाबदेही बनती है। हमारे छोटे लेकिन सोच-समझ कर लिए निर्णय से भी बहुत फ़र्क पड़ता है। जैसे इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल करें। जितनी जरुरत हो उतनी ही लाइट्स को यूज में लायें। एनर्जी सेव करने वाली प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करें। इस संतुलन को सुधारने के लिए पौधारोपण किया जाना जरूरी है।

कानपुर में रैगिंग: कपड़े उतारकर नहीं किया डांस, तो जूनियर्स को लाठी-डंडे से पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के हरकोर्ट बटलर टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में एक बार फिर से रैगिंग का मामला सामने आया है। छात्रों ने अपने सीनियर्स पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। छात्रों का आरोप है कि उनके सीनियर्स ने पहले बर्थडे पार्टी का बहाना बनाकर उन्हें बुलाया और बाद में कपड़े उतारकर डांस करने का दबाव बनाया। ऐसा नहीं करने पर सीनियर्स ने जूनियर छात्रों की जमकर पिटाई शुरू कर दी। पुलिस ने पीड़ित छात्र गौरव की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के HBTU के जूनियर बीटेक छात्र ने सीनियर्स पर बर्थडे पार्टी में बुलाकर रैगिंग करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना की

जानकारी देते हुए जूनियर छात्र गौरव चौहान ने बताया कि 16 अक्टूबर को उसके एक दोस्त के पास देर रात 12 बजे के करीब फोन आया, जिसमें बीटेक फाइनल ईयर के सिनियर छात्र गोविंद सिंह ने गौरव चौहान और शशिकांत शर्मा समेत अन्य जूनियर्स को छत पर बर्थडे पार्टी में शामिल होने के लिए बुलाया।

कपड़े उतारकर डांस करने का दबाव बनाया

अब्दुल कलाम हॉस्टल की छत पर जब वह सभी पहुंचे तो उन्हें पता चला कि सीनियर्स ने उनकी रैगिंग करने के लिए उन्हें छत पर बुलाया है। गौरव चौहान ने आरोप लगाते हुए बताया है कि सीनियर्स ने जूनियर्स से कपड़े उतार कर डांस करने का दबाव बनाया। इस बात का विरोध करते हुए जूनियर्स ने कपड़े उतारने से मना किया दिया, जिसके बाद सीनियर्स ने भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए जूनियर छात्रों के साथ मारपीट शुरू कर दी।

पिटाई के बाद सीनियर्स ने धमकाया

मारपीट के बाद सीनियर्स ने सभी जूनियर को धमकाते हुए कहा कि किसी से कुछ बताया तो अच्छा नहीं होगा। पीड़ित छात्र गौरव चौहान ने बताया पार्टी के दौरान अमन सिंह, अमन कुशवाहा, नितिन सिंह, सूरज, अंकित गुप्ता, अभिषेक उपाध्याय, आकांक्ष, अनूप राजपाल, शशिकांत शर्मा, यशविन्दर सिंह और वह खुद मौजूद थे।

लाठी डंडों और लोहे की रॉड से की पिटाई

गौरव ने बताया कि गाली देने और पीटने के साथ-साथ ही सीनियर्स ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी है। गाली-गलौज और मार पिटाई के दौरान जब गौरव ने सीनियर छात्र अभिषेक उपाध्याय को पकड़ लिया तो सभी अन्य सीनियर छात्र आग बबूला हो गए, जिसके बाद सीनियर्स हॉस्टल से लोहे की रॉड, डंडा और बेल्ट लेकर आ गए और सभी जूनियर्स को पीटना शुरू कर दिया। सीनियर अंकित गुप्ता और नितिन ने जूनियर छात्र यशविंदर को बेल्ट और डंडों से बुरी तरह से पीटा है।

पुलिस ने गंभीर धाराओं में दर्ज की FIR

मामले की जानकारी देते हुए नवाबगंज थाने के इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि पीड़ित छात्र गौरव चौहान की तहरीर पर HBTU के अमन सिंह, अमन कुशवाहा, नितिन सिंह, सूरज अंकित गुप्ता, अभिषेक उपाध्याय, आकांक्ष और अनूप राजपाल के खिलाफ हिंसा करने, हत्या का प्रयास करने, चोट पहुंचाने, शांति भंग करने, धमकाने और यूपी शैक्षिक संस्था अधिनियम 2010 में रैगिंग के निषेध की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

रामगंगा में बहकर आई महिला की सिर कटी लाश, पास ही पड़ा था बच्चे का शव, डेड बॉडी बता रही बर्बरता की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले की रामगंगा नदी किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में दो शवों के मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस को एक महिला की सिर कटी लाश पड़े होने की सूचना मिली थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, जहां जांच के दौरान पुलिस को महिला की सिर कटी लाश के साथ-साथ कुछ ही दूरी पर एक बच्चे का भी शव भी मिला है। दोनों शवों को पुलिस ने पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरा मामला मुरादाबाद जनपद के कटघर थाना इलाके के कल्याणपुर के जंगल का है, जहां रामगंगा नदी के किनारे एक महिला की सिर कटी लाश मिली है। वहीं, महिला का सिर धड़ से तकरीबन 50 मीटर दूरी पर मिला है। जब पुलिस की टीम सबूत जुटाने के लिए मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया तब पुलिस को महिला के शव से तकरीबन 100 मीटर की दूरी पर रामगंगा नदी में एक बच्चे की बहती हुई लाश मिली है, जिसकी उम्र तकरीबन 7 साल बताई जा रही है। मुरादाबाद पुलिस को कल्याणपुर के जंगल में एक महिला के सिर कटी लाश होने की सूचना मिली थी। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर देखा कि महिला की सिर कटी हुई लाश पड़ी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जंगल में सर्च अभियान चलाया। पुलिस ने सर्च अभियान में पाया कि महिला के धड़ से 50 मीटर की दूरी पर सिर पड़ा हुआ था। वहीं, आगे पुलिस ने देखा कि शव से तकरीबन 100 मीटर की दूरी पर एक बच्चे का शव नदी में तैर रहा था। प्राथमिक जानकारी के अनुसार महिला का शव 8 से 10 दिन पुराना बताया जा रहा है।

'घर के बाहर रात में खड़ी मिली गाड़ी तो...'

प्रयागराज में नगर निगम का फरमान, लोग परेशान

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में इन दिनों दो पहिया और चार पहिया गाड़ीवालों की रात में नींद हराम हो गई है। इसकी वजह प्रयागराज नगर निगम का एक फरमान है। इस फरमान में जिक्र है कि गाड़ी अगर घर के बाहर सार्वजनिक जगह में खड़ी है तो जुर्माना लगना तय है।

दरअसल, यूपी सरकार ने नगर विकास विभाग को शहरों में सुनियोजित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नीति बनाने का निर्देश दिया। विभाग ने उत्तर प्रदेश नगर निगम अंतर्गत नियमावली 2024 तैयार की और इस पर आम लोगों के लेख और आपत्तियां मांगी गई हैं। प्रस्ताव है कि नगर निगम क्षेत्रों में जितने भी सार्वजनिक सड़क और स्थान हैं, वहां कार या बाइक पार्क करने के लिए चार्ज लिया जाए। इससे नगर निगम में पार्किंग का राजस्व बढ़ेगा। पार्किंग को एक घंटा, दो घंटा, रात भर और 24 घंटे के चार वर्गों में बांट कर शुल्क प्रस्तावित किया गया है। विभाग ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उसमें 10 लाख से कम और 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले नगर निगम क्षेत्रों के लिए नाइट पार्किंग का अलग-अलग शुल्क प्रस्तावित किया गया है।

इसी क्रम में नगर निगम प्रयागराज अपने अधीन आने वाले मोहल्ला, कॉलोनी और बाजार में सार्वजनिक सड़कों पर रात में कार और बाइक पार्क करने वालों से नाइट पार्किंग शुल्क वसूलने जा रहा है। बिना पास पार्किंग के केस में तीन गुना जुर्माना भी वसूला जाएगा। सुनियोजित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जारी इस आदेश का प्रयागराज में स्थानीय लोगों ने विरोध दर्ज कराना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक उनके वाहनों के लिए सुरक्षित पार्किंग की व्यवस्था नहीं होती, तब तक उनके वाहन के चोरी हो जाने पर इसकी भरपाई कौन करेगा। लोगों की दलील यह भी है कि जब वो सड़क, बिजली, पानी हर सुविधा का टैक्स पहले से दे रहे हैं, तो यह नया टैक्स क्यों।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पूरे प्रदेश में 3 करोड़, 57 लाख 33 हजार 659 दो पहिया वाहन हैं, जिसमें चार पहिया वाहनों की संख्या करीब 43 लाख 52 हजार से अधिक है। शहरी इलाकों में आबादी अधिक होने के नाते बड़ी संख्या में ऐसे लोग है, जिनके घर में वाहन खड़ा करने का स्थान नहीं है। वह रात में सड़क पर ही वाहन खड़ा करते हैं। सरकार के नए नियम के बाद लोगों रात में घर के बाहर सड़क पर वाहन खड़ा करने के लिए भी पार्किंग शुल्क देना होगा। इसके लिए प्रतिदिन सौ रुपए या महीने में एक मुश्त एक हजार रुपए देने होंगे।

पहले मंदिर में छुपाया फिर कर दिया 5 लड़कियों का सौदा, जबरदस्ती करवाई शादी... छत से कूदकर लड़की ने बचाई जान

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के थाना छर्रा क्षेत्र में लड़कियों को किडनैप कर जबरन शादी कराने का मामला सामने आया है। शातिर गिरोह के लोगों ने 6 लड़कियों को मंदिर में छुपा कर रखा था। बाद में पांच लड़कियों को बेचकर उनकी जबरन शादी करवा दी थी। जबकि छठीं लड़की ने मंदिर की छत से कूदकर अपनी जान बचाई है। छठीं लड़की को आरोप है कि दिल्ली के दशहरा मेले में बहन से बिछड़ जाने के बाद आरोपी बहन से मिलवाने का झांसा देकर अपने साथ लाए थे।

बिछड़ी हुई लड़की बिहार राज्य की थी, जिसको आरोपी बहन से मिलने की बात का झांसा देकर अपने साथ ले आए थे। आरोपियों ने दिल्ली से लेकर आई लड़की को पहले से छुपाकर रखी पांच लड़कियों के साथ मंदिर के कमरे में बंद कर दिया।

मंदिर में बंद करके रखी लड़की आरोप है कि स्कॉर्पियो गाड़ी से लाकर उसको एक मंदिर के बंद कर दिया था, जिसमें पहले से 5 लड़कियों मौजूद थी। आरोपियों ने सभी 5 लड़कियों की शादी का सौदा उसके सामने किया था।

इसी दौरान दिल्ली के मेले से लाई लड़की पर भी जब आरोपियों ने शादी करने का दबाव बनाया, तो उनसे मंदिर की छत से कूदकर खेतों में खड़ी बाजरे की फसल में छुपकर अपनी जान बचाई। लड़की के फसलों में छिपे होने की जानकारी होते ही गांव वालों ने पुलिस को इस बात की जानकारी दी। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने लड़की को बचाकर अपने साथ ले गई और फिर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

मामले की जानकारी देते हुए इनायत गंज गांव निवासी कुंवरपाल ने बताया कि गुरुवार को उसके बड़ा भाई और पिता खेतों में खड़ी बाजरे की फसल काट रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर खेतों में छुपी डरी सहमी एक लड़की पर पड़ी। लड़की उनको देखकर इधर-उधर खेतों में छुपाती फिर रही थी। जब वह लड़की के पास पहुंचे और उन्होंने खेतों में छुपने की वजह पूछी तो सभी के पैरों तले जमीन खिसक गई।

मंदिर के अंदर किया था बंद

लड़की ने रोते हुए बताया कि वह मंदिर से भागकर यहां छुपकर बैठी है। कुछ लोग उसको बहन से बिछड़ जाने के बाद उससे मिलाने बात कहकर साथ लाए थे। लेकिन उन्होंने बहन से ना मिलाते हुए उसे एक मंदिर के अंदर बने कमरे में बंद कर दिया था। लड़की ने बताया कि मंदिर में पहले से ही पांच लड़कियां मौजूद थी। आरोपियों ने एक-एक कर के पांचों लड़कियों को पैसे लेकर बेच दिया था।

दरांती से काट दिए थे अंगूठे

वहीं, जब एक लड़की ने बेचने का विरोध किया तो आरोपी ने उसके पैर के अंगूठे को धारदार दरांती से काट दिया था। दिल्ली से लेकर आए ने बताया कि आरोपियों ने धमकी दी थी कि आज तू भी नहीं बचेगी। लड़की के मुंह से खौफनाक वारदात को सुनकर ग्रामीणों की रूह कांप गई, जिसके बाद खेतों में छुपकर बैठी लड़की के मिलने की सूचना गांव वालों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। गांव वालों ने लड़की को मौके पर पहुंची पुलिस के हवाले कर दिया। बिहार राज्य के भागलपुर जिले की निवासी पीड़ित प्रियंका ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि परिजनों ने उसकी बड़ी बहन की शादी दिल्ली निवासी एक युवक के साथ की थी। दशहरा के पर्व पर वह अपनी दीदी और जीजा के पास दिल्ली आई हुई थी, जहां वह बहन और उनके परिजनों के साथ रावण दहन का मेला देखने के लिए मेले में गई थी।

बहला फुसलाकर ले गए आरोपी

जब मेले में रावण का दहन हुआ। तो वह अपने परिवार के लोगों से मेले में बिछड़ गई। इस दौरान जब वह मेले में बिछड़ने के बाद अपनी दीदी को तलाश रही थी। तभी एक शख्स उसके पास पहुंचा और लड़की को उसकी दीदी और उसके परिवार के लोगों के पास छोड़ने की बात कहते हुए अपने साथ ले गया था।

प्रेम जाल में फंसाया, खुद को सपा नेता बताकर बनाए संबंध, प्रेग्नेंट होने पर लड़की पर ही करवा दी एफआईआर

आर्यावर्त क्रांति

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता पर एक युवती ने शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। मैनपुरी के गोपीनाथ गनला की रहने वाली युवती शिकायत दर्ज करवाई है। वर्तमान में युवती आगरा में रहती है। आरोपी लगाने वाली लड़की 2012 में अंजना टॉकीज के पास एयर होस्टेस कोर्स में डिप्लोमा करने आई थी। उसी दौरान उसकी मुलाकात रामदास गुर्जर के बेटे राहुल गुर्जर से हुई। राहुल गुर्जर आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र के तहत आने वाले पारूल एन्कलेव का रहने वाला है। दोनों एक दूसरे से मिलने लगे।

मुलाकातों का ये सिलसिला दोस्ती में बदल गया। इस दौरान राहुल ने अपने आपको समाजवादी पार्टी के युवा वाहिनी का पूर्व अध्यक्ष बताया और कहा कि वो लड़की से शादी कर

लेगा। राहुल ने शादी का वादा भी किया। उसके बाद से ही शादी का झांसा देते हुए युवती का शारीरिक शोषण करता चला आ रहा है।

युवती ने लगाया आरोप

कुछ महीने पहले युवती गर्भवती हो गई। इसके बाद युवती ने राहुल गुर्जर से कहा कि वो उसकी बच्चे की मां बनने वाली है इसलिए शादी करने को कहा। इस पर राहुल ने उसे यह कह कर एक दवाई खिला दी की इस दवाई से बच्चे की धड़कन ठीक रहेगी, लेकिन वो गर्भपात करने वाली दवा थी। राहुल ने युवती को गुमराह कर दवा खिला दिया था। इसके बाद युवती का दूसरे दिन यानी 03 अप्रैल 2024 को गर्भपात हो गया।

पीड़िता राहुल गुर्जर के द्वारा किये गये छल से मानसिक रूप से तनाव में आ गई और उसने फिर राहुल से शादी करने का दबाव बनाया। हालांकि, राहुल हर बार टालता रहा और उसके साथ मारपीट करने लगा। राहुल ने उसके साथ बलात्कार किया और धमकाते हुए कहा कि अगर फिर से शादी करने को कहा तो उसके अश्लील वीडियो वायरल कर देगा।

पुलिस ने दर्ज किया केस

आरोप है कि राहुल ने उसे जान से मारने की भी धमकी दी। इसी बीच राहुल गुर्जर ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए युवती के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज करा दिया। इसके बाद युवती ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से मिलकर अपने साथ हुए शोषण के जानकारी दी और तब पुलिस ने राहुल गुर्जर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64,89,115,351(2) के अंतर्गत पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ताजमहल में प्रवेश कर रहा था इतना विशाल अजगर, पकड़ने में पहलवान के छूट गए पसीने, लोगों की फटी रही गईं आंखें

आगरा। आगरा में ताजमगर के पूर्वी गेट पर सुबह-सुबह विशाल अजगर दिखाई दिया। ये अजगर ताजमहल में प्रवेश कर रहा था। लोगों ने जब इसे देखा तो होश उड़ गए। तत्काल ही वन विभाग और नगर निगम की टीम को सूचना दी गई। टीम मौके पर पहुंचती, उससे पहले ही स्थानीय नागरिक ने अजगर को पकड़ लिया। तब वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पहलवान की मदद से अजगर को जंगल में छोड़ा गया।

अजगर को पकड़ने वाले पहलवान सुंदर दुबे ने बताया कि अजगर की लंबाई करीब 12 फीट है। उसे पकड़ने के लिए काफी ताकत का इस्तेमाल करना पड़ा। उसमें वजन भी काफी था। अजगर को जंगल में छोड़ दिया गया है।

100 फर्जी कंपनियां, सरकारी खजाने को 110 करोड़ रुपये का चूना, गाजियाबाद में कैसे हुआ GST फ्रॉड?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में फर्जी कंपनियों के जरिए जीएसटी की चोरी करने वाले एक गिरोह का खुलासा हुआ है। गाजियाबाद की एक फर्म ने इस फर्जीवाड़े को अंजाम देने के लिए 100 से अधिक फर्जी कंपनियां बनाई गई थीं। इस फर्म का नाम मेसर्स एएनवीएस ट्रेडर्स है। इस फर्म ने फर्जी कंपनियों के जरिए जीएसटी विभाग को 110 करोड़ रुपए का चूना लगाया। इस मामले में मास्टरमाइंड सहित दो लोगों को अरेस्ट कर लिया गया है।

इस सिंडिकेट के सदस्यों ने लगभग 110 करोड़ रुपए के इनपुट टैक्स यानी आईटीसी का लाभ फर्जी तरीके से ले लिया था। आरोपियों ने केवल 2 साल में ही फर्जी फर्म के माध्यम से कागजों में 621 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया था।

जीएसटी विभाग को जब इस फर्म पर शक हुआ तो उन्होंने जांच

फर्जी इनवॉइस बनाते थे

जीएसटी विभाग ने जांच के दौरान पाया कि फर्म ने 2 वर्ष से अधिक समय में ही बिना किसी वास्तविक प्रोडक्शन के और बगैर सेवा दिए ही लगभग 110 करोड़ रुपए शुरू की। इसके बाद जीएसटी विभाग ने फर्म पर कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड गौरव तोमर और छत्रपाल को गिरफ्तार कर लिया है। जीएसटी विभाग के आयुक्त संजय लावण्या ने बताया कि गाजियाबाद के चंद्र नगर में स्थित देवीका टावर के पते पर रजिस्टर्ड मेसर्स एएनवीएस ट्रेडर्स नाम की फर्म की जांच की गई है। जीएसटी की जांच में अब तक 110 करोड़ रुपये के गैरकानूनी आईटीसी क्लेम की जानकारी मिली है। जांच में फ्रॉड की रकम का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

के आईटीसी का लाभ हासिल किया। इस फर्म को छत्रपाल शर्मा चला रहे थे, जिन्होंने अपनी पत्नी आशा देवी के नाम से जीएसटी का रजिस्ट्रेशन लिया हुआ था। गौरव तोमर इस रैकेट में फर्जी इनवॉइस का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। जीएसटी विभाग की टीम ने गौरव तोमर के घर के अंदर की जांच की तो जांच में बहुत से फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन नंबरों की जानकारी मिली। इस सिंडिकेट ने एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी से बहुत से जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराए थे।

हारी हुई सीटों पर लड़कर क्या हासिल करेगी कांग्रेस? 2-2 दशक से नहीं मिली जीत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में सपा और कांग्रेस मिलकर एक बार फिर चुनावी मैदान में उतरेंगी। दोनों ही दलों में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला भी तय हो गया है। यूपी की जिन 9 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से सात सीट पर सपा चुनाव लड़ेगी जबकि कांग्रेस अलीगढ़ की खैर और गाजियाबाद दो सीटों पर किस्मत आजमाएगी। सपा ने कांग्रेस को 2024 के लोकसभा चुनाव की तरह ही उपचुनाव में दोनों टफ सीटें दी हैं, जिन पर बीजेपी कब्जा जमाए हुए है।

सपा के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि कांग्रेस को उपचुनाव में गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीट दे दी गई है। इन दो सीटों के अलावा बाकी सीटें सपा लड़ेगी। ऐसे में कांग्रेस को यूपी उपचुनाव लड़ने के लिए मिली दोनों ही सीटें काफी टफ मानी जा रही है। खैर सीट पर 44 साल से और गाजियाबाद में 22 साल से कांग्रेस

जीत का स्वाद नहीं चख सकी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कांग्रेस उपचुनाव लड़कर क्या हासिल कर पाएगी?

10 विधानसभा सीटें खाली हुई

लोकसभा चुनाव में 9 विधायकों के सांसद चुने जाने और सीसामऊ सीट से विधायक रहे इरफान सोलंकी को सजा होने के चलते 10 विधानसभा सीटें खाली हुई हैं। कांग्रेस उपचुनाव में पांच सीटें मांग रही थी। गाजियाबाद, मझवां, मिल्कीपुर, खैर और फूलपुर सीट कांग्रेस उपचुनाव लड़ने की डिमांड रखी थी, क्योंकि इन सीटों पर सपा के विधायक नहीं थे। सपा और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी।

कांग्रेस ने अभी नहीं खोले पत्ते

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच बुधवार को श्रीनगर में सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय हुआ। कांग्रेस को खैर और गाजियाबाद सीट मिली है। सपा मिल्कीपुर, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, करहल, कुंदरकी और सीसामऊ सीट पर किस्मत आजमाएगी। सपा ने कुंदरकी सीट को छोड़कर अपने कोटे की बाकी छह सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान भी कर दिया है, लेकिन कांग्रेस ने अभी पत्ते नहीं खोले हैं।

कांग्रेस के पास दोनों टफ सीटें

कांग्रेस के कोटे में आई गाजियाबाद और अलीगढ़ की खैर सीट 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीती थी। कांग्रेस ही नहीं बल्कि विपक्ष के लिहाज से भी दोनों सीटें टफ मानी जा रही है। सियासी समीकरण भी कांग्रेस के पक्ष में नहीं है। खैर सीट पर कांग्रेस आखिरी बार 1980 में चुनाव जीती थी। इसी तरह गाजियाबाद सीट पर कांग्रेस को अंतिम बार 2002 के चुनाव में जीत मिली थी।

गाजियाबाद विधानसभा सीट

गाजियाबाद विधानसभा सीट पर आजादी के बाद से अभी तक 18 बार चुनाव हुए हैं। कांग्रेस सिर्फ पांच बार ही जीत सकी है। सपा यह सीट सिर्फ एक बार उपुचनाव में 2004 में ही जीत सकी थी, जब सत्ता पर काबिज थी। 2007 में बसपा ने यह सीट जीती थी और 2017 से बीजेपी का कब्जा लगातार चल रहा है। 2022 के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को सिर्फ 11,818 वोट मिले थे। इससे समझा जा सकता है कि गाजियाबाद सीट कांग्रेस के लिए ही नहीं बल्कि सपा के साथ गठबंधन में होने के बाद कितनी मुश्किल भरी मानी जा रही है।

खैर विधानसभा सीट

खैर विधानसभा सीट कांग्रेस के लिए काफी मुश्किल भरी मानी जाती है। 1980 में कांग्रेस आखिरी बार खैर सीट जीतने में सफल रही थी, इसके बाद से लगातार हार रही है। 1962 में खैर सीट बनी है, उसके बाद से अभी तक कुल 16 बार विधानसभा चुनाव हुए हैं। कांग्रेस यह सीट महज तीन बार ही जीत सकी है जबकि सपा का आजतक खाता तक नहीं खुल सका है। 2012 में सपा खैर सीट पर अपनी जमानत तक नहीं बचा सकी है। 2022 में कांग्रेस को सिर्फ 1514 वोट ही मिले थे। ऐसे में कांग्रेस के लिए खैर विधानसभा सीट काफी मुश्किल भरी नजर आ रही है।

कांग्रेस कर पाएगी चुनौती पार?

यूपी उपचुनाव में कांग्रेस खैर और गाजियाबाद विधानसभा सीट पर चुनावी मैदान में उतरती है तो उसके लिए जीत दर्ज करना लोहे के चने चबाने जैसा है। इन दोनों ही सीटों के सियासी और जातीय समीकरण के लिहाज से कांग्रेस के लिए मुश्किल माना जा रहा है। सपा का यादव वोट बैंक भी इन दोनों सीटों पर कोई खास नहीं है। कांग्रेस का अपना कोई वोट बैंक नहीं है। इस लिहाज से सपा के समर्थन होने के बाद भी कांग्रेस कोई बड़ा उलटभेर करने की स्थिति में नहीं दिख रही है।

BJP-RLD के साथ लड़ रही चुनाव

वहीं, बीजेपी जयंत चौधरी की आरएलडी के साथ मिलकर उपचुनाव लड़ रही हैं, जिसके चलते जाट समुदाय के वोटों का झुकाव भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में जा सकता है। बीजेपी जिस तरह लगातार तीन बार से यह सीट जीतने में सफल रही है, उससे उसकी राजनीतिक पकड़ को समझा जा सकता है। उपचुनाव में खैर सीट एक तरफ से कुछ हद तक कांग्रेस टक्कर देती नजर आ सकती है, लेकिन गाजियाबाद सीट काफी मुश्किल भरी नजर आ रही है।

क्या हासिल करना चाहती है कांग्रेस?

सपा-कांग्रेस मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ी थी। अलीगढ़ से सपा के उम्मीदवार चौधरी बिजेंद्र सिंह को खैर सीट पर 95391 वोट मिले थे जबकि बीजेपी प्रत्याशी को 93900 वोट मिले थे। इस तरह सपा को 1491 वोटों से बढ़त मिली थी, लेकिन जाट समुदाय के होने का लाभ मिला था। इसी तरह गाजियाबाद सीट पर बीजेपी से सासंद बने अतुल गर्ग को गाजियाबाद विधानसभा सीट पर 137206 वोट मिले थे और कांग्रेस की प्रत्याशी डाली शर्मा को 63256 वोट ही मिल सके थे। ऐसे में कांग्रेस उपचुनाव में टफ सीटों पर किस्मत आजमा कर क्या हासिल करना चाहती है?

त्योहारों में इम्यूनिटी नहीं होगी डाउन, पीना शुरू कर दें ये हर्बल ड्रिंक्स

त्योहारों के दौरान अक्सर इम्यूनिटी डाउन होने का खतरा रहता है. इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन C से भरपूर खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल करना चाहिए. इसके साथ ही, कुछ हर्बल ड्रिंक्स भी काफी फायदेमंद होंगी.

फेस्टिव सीजन ऐसा मौका होता है, जब परिवार के साथ गप्पें मारने का भरपूर टाइम मिलता है। लेकिन इस दौरान तैयारियों को लेकर काफी भागदौड़ भी हो जाती हैं। इस समय के दौरान मौसमी बदलाव, नींद का बिगड़ना और ज्यादा शुगर और ऑयली खाने के चलते इम्यूनिटी डाउन हो सकती है। इससे आप बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

टीफिट की फाउंडर ज्योती भारद्वाज कहती हैं कि इम्यून सिस्टम ठीक रहेगा तो आप बीमार नहीं होंगे। ऐसे में अपनी दिनचर्या में हेल्थी ड्रिंक्स को शामिल करना आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का एक सरल और प्रभावी तरीका हो सकता है। अदरक, हल्दी, नींबू और शहद- जैसी चीजों में नैचुरल तौर इम्यूनिटी बूस्टर गुण पाए जाते हैं।हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। अदरक सूजन को कम करता है और गले की खराश को ठीक करता है। नींबू में विटामिन C होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है।

ग्रीन टी और हर्बल इंफ्यूजन

ग्रीन टी और हर्बल इंफ्यूजन अपने एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण जानी जाती है। एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं। ग्रीन टी और कैमोमाइल जैसी हर्बल चाय पीने से आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ेगी

प्रोबायोटिक ड्रिंक्स

प्रोबायोटिक ड्रिंक्स जैसे कि कोम्बूचा और केफिर में ऐसे बैक्टीरिया होते हैं, जो हमारे पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा, पानी हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है क्योंकि यह हमारे शरीर की कोशिकाओं तक पोषक तत्व पहुंचाता है और पसीने के जरिए टॉक्सिंस को बाहर निकालता है। हर्बल टी के साथ-साथ नारियल पानी भी काफी फायदेमंद है।

शुगर को करें कम

फेस्टिव सीजन के दौरान स्वीट ड्रिंक्स को ज्यादा पिया जाता है। लेकिन ज्यादा शुगर इम्यून सिस्टम को कम कर सकती है। ऐसे में कम से कम चीनी का सेवन करें। ज्यादा चीनी ब्लड शुगर का लेवल भी बिगाड़ सकती है।एक्सपर्ट कहती हैं कि आप अपने दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म नींबू पानी से कर सकते हैं। दोपहर में ग्रीन टी पी सकते हैं। इससे इम्यून सिस्टम वीक नहीं होगा।

आंवला जूस

आवला (या भारतीय करौदा) में कथित तौर पर संतरे जैसे खट्टे फलों की तुलना में 20 गुना अधिक विटामिन सी होता है। विटामिन सी, जैसा कि हम सभी जानते हैं, मुक्त कणों से लड़ने में मदद करता है और हमें आम बीमारियों से दूर रखने के लिए फायदेमंद माना जाता है। साथ ही विटामिन सी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लाभदायक होता है। आंवला का स्वाद कड़वा जो इसे अलोकप्रिय बना सकता है। आप इसे अधिक स्वादिष्ट बनाने के लिए अपने आंवले के रस में एक चम्मच शहद मिला सकते हैं।

करेला जूस

करेला चाहे खाने में कड़वा होता हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि यह स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और खनिज होते हैं जो आपको भीतर से मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं और रोगजनकों से लड़ने में आपकी मदद कर सकते हैं।

दिवाली पर घर की खूबसूरती बढ़ा देंगी हाथों से बनी सजावट की ये चीजें

दिवाली के समय लोगों में अलग उत्साह देखने को मिलता है। इसकी तैयारी कुछ समय पहले ही शुरु कर दी जाती है। आप घर पर खुद इन चीजों को बनाकर डेकोरेशन के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

दिपावली कागर पर लिखकर तोरण बना सकते हैं।

दिवाली का त्योहार भारत में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। हर साल ये त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है और इसे पूरे देश में विभिन्न संस्कृति और परंपराओं के अनुसार मनाया जाता है। दिवाली के साथ सभी लोग अपने घरों में दीप जलाते हैं और भगवान गणेश, धन, समृद्धि और सुख-समृद्धि की देवी माने जाने वाली माता लक्ष्मी और देवी सरस्वती की पूजा अर्चना करते हैं।

दिवाली की तैयारियां कई दिनों पहले से ही शुरु हो जाती है। लोग अपने घरों की साफ-सफाई करते हैं, रंगोली बनाते हैं और तरह-तरह की मिठाइयां बांटते हैं। बाजारों में इस तरह काफी चहल-पहल देखने को मिलती है। लोग नए कपड़े,दीये, पटाखे, मोमबत्तियां और घर की सजावट के लिए तरह-तरह के सामान खरीदते हैं। वहीं आप अपने घर पर भी खुद घर पर पड़े सामान से इन चीजों को बना सकते हैं।

पेपर वॉल हैंगिंग

आप घर पर रंग-बिरंगे कागजों का इस्तेमाल कर पेपर वॉल बना सकते हैं। इससे आप फुल दिया, मोर और कई तरह के डिजाइन बनाकर दरवाजों और दीवार पर इससे सजावट कर सकते हैं। आप कागज, आर्टिफिशियल फुल और शुभ

कागज की लालटेन

दिवाली के मौके पर आप कागज के मदद से लालटेन बना सकते हैं। इसे आप अलग-अलग आकार और साइज में बना सकते हैं। इसके अंदर लाइट्स लगा सकते हैं। ये काफी बेहतरीन लग रहे हैं।

हाथों से पेंट किए दीये

आप सिंपल दीयों को अट्रैक्टिव बनाने के लिए उनपर पेंटिंग कर सकते हैं और डेकोरेशन के लिए इन दीयों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप स्टोन, मिरर और ग्लीटर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दीयों में मोम वेक्स डालकर डेकोरेशन के लिए दीयों का इस्तेमाल किया जाता है।

पूजा की थाली

आजकल बहुत से लोग बाजार से पूजा की थाली खरीदते हैं। लेकिन आप घर पर ही पूजा की थाली को डेकोरेट कर सकते हैं। इसके लिए आप थाली के बॉर्डर पर गोटे या लाल रंग के कपड़े का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही के किनारों को फूलों से सजा सकते हैं। इसके अलावा एक दीया को थाली में चिपकाकर इसके चारों तरफ फूल, गोटा या फिर रिबन लगा सकते हैं। इसके अलावा थाली में गोटा, रिबन या रंगों की मदद से स्वास्तिक बना सकते हैं।

सुबह उठते ही फोन चलाने की है आदत, इसके ये 5 गंभीर नुकसान भी जान लें

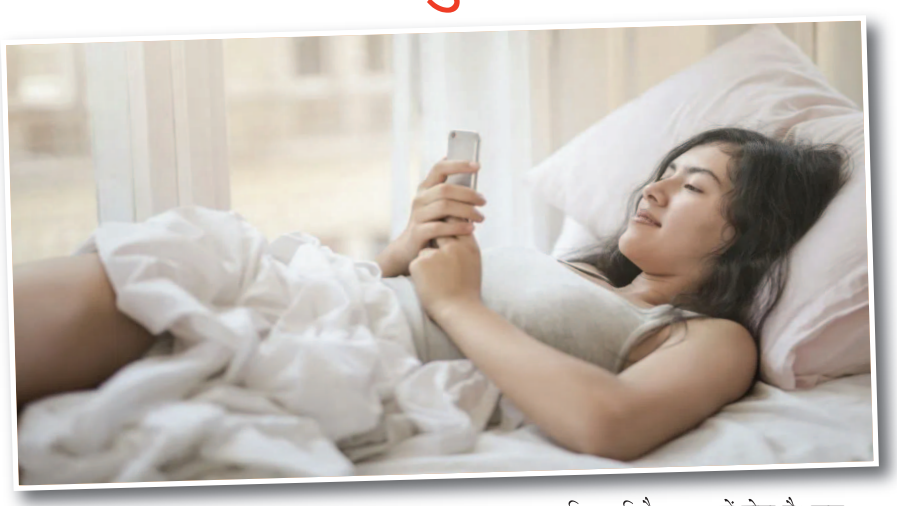

मोबाइल यानी स्मार्टफोन के बिना अब लाइफ की कल्पना करना मुश्किल है। रोटी, कपड़ा और दूसरी जरूरी चीजों की तरह मोबाइल भी हम हमारी जिंदगी में अहम अहमियत रखता है। बिना इसके मानो लाइफ रुक जाती है। पर ये सच है कि हर चीज के फायदे होने के साथ उसके नुकसान भी है। ऐसा ही कुछ स्मार्टफोन के साथ भी है। लोग इसके इस कदर आदी हो गए हैं कि वे इसकी वजह से धीरे-धीरे बड़े नुकसान की ओर बढ़ रहे हैं। फोन की लत में लोग सुबह उठते ही इसे हाथ में ले लेते हैं और घंटों इसे यूज करते हुए टाइम पास करते हैं। एक्सपर्ट्स इसे NoMoPhobia पुकारते हैं जो फोन से दूर होने के डर को दर्शाता है।

कई रिपोर्ट्स में सामने आया है कि सुबह उठते ही फोन का इस्तेमाल हमारी मेंटल और फिजिकल दोनों के लिए सही नहीं है। नोटिफिकेशन चेक करना, सोशल मीडिया का यूज और खबरों से जुड़ी जानकारियां जुटाना ये सब अब कॉमन हो गया है। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि सुबह उठते ही मोबाइल का यूज करने से हमारी सेहत को कौन-कौन से नुकसान होते हैं? इनके बारे में जानें...

नींद के सिस्टम को नुकसान

अब आप सोच रहे होंगे कि सुबह उठने के बाद फोन चलाने से नींद के सिस्टम को क्या नुकसान होगा? एक्सपर्ट्स का कहना है कि उठते ही फोन चलाने से इसकी ब्लू लाइट हमारी आंखों पर दबाव डालती है। इस वजह से पूरे दिन थकान रहती है और रात में सोते समय समस्या होती है। अगर लगातार ऐसा हो नींद न आने की दिक्कत हो जाती है।

स्ट्रेस और एंग्जायटी

क्या आप जानते हैं कि उठते ही फोन देखने से एंग्जायटी या स्ट्रेस हो सकता है। दरअसल, नींद से हमारा दिमाग रिलैक्स मूड में होता है। कुछ मैसेज और अलर्ट ऐसे होते हैं जो टेंशन बढ़ाकर मूड को खराब कर देते हैं। इस तरह का स्ट्रेस कभी-कभी पूरे दिन काम और मूड को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में हाई हार्ट रेट जैसे फिजिकल प्रॉब्लम भी हो जाती हैं।

काम पर असर

सुबह उठते ही फोन देखने के बाद कुछ लोग हेल्दी हैबिट्स जैसे मेडिटेशन, एक्सरसाइज और अच्छा ब्रेकफास्ट नहीं ले पाते हैं। इसका प्रभाव हमारी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों पर पड़ता है। ऐसे काम पर बुरा असर पड़ता है और प्रोडक्टिविटी भी डाउन होती है।

मॉर्निंग रूटीन को इग्नोर करना

हेल्दी मॉर्निंग रूटीन हमारे लिए बेहद जरूरी है पर उठते ही इससे पहले फोन को अहमियत देने से कई नुकसान होते हैं। हम स्ट्रेचिंग या दूसरी हेल्दी एक्टिविटीज से दूर होने लगते हैं और अनहेल्दी रूटीन को फॉलो करने लगते हैं। हेल्दी रूटीन को नजरअंदाज करने से मेंटली और फिजिकली थकान रहती है।

बच्चों पर भी बुरा असर

पेरेंट्स बनने के बाद हमें कई चीजों का खास ध्यान रखना चाहिए। माता-पिता जो करते हैं वहीं बच्चा भी सीखता है। आजकल के पेरेंट्स ही नहीं बच्चे भी बिना फोन के रह नहीं पाते हैं। अगर माता-पिता सुबह उठते ही फोन यूज करते हैं तो उनको देखकर बच्चे भी इस आदत को अपना लेते हैं। ऐसे में उनकी मेंटल हेल्थ और फिजिकल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है। बच्चा फिजिकल गेम्स में हिस्सा नहीं लेता है और एक्टिव न होने के कारण उसका शरीर बीमारियों की चपेट में आ सकता है।

निपट जाएंगे इनकम टैक्स से जुड़े सारे झंझट, बस जान लें 'विवाद से विश्वास' स्कीम की ये 5 जरूरी बात

अगर इनकम टैक्स से जुड़ा आपका कोई भी कानूनी मसला फंसा हुआ है, या आपके ऊपर कोई पेनल्टी या ज्यादा ब्याज की देनदारी है तो आप सरकार की 'विवाद से विश्वास स्कीम' का फायदा उठा सकते हैं। इससे जुड़ी ये 5 बातें जानना जरूरी है...

इनकम टैक्स से जुड़े कोर्ट केसेस को बोझ कम करने और लोगों को आसानी से विवादों का समाधान करने के लिए सरकार ने 'विवाद से विश्वास' स्कीम बनाई है। अब इसका 2024 का संस्करण भी शुरू हो चुका है। ऐसे में आपके लिए इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें जान लेना बेहद जरूरी है, क्योंकि ये आपकी पेनल्टी से लेकर ब्याज तक को माफ करा सकती हैं।

'विवाद से विश्वास' स्कीम असल में इनकम टैक्स से जुड़े मामलों का निपटारा करने के लिए एक विंडो ओपनिंग जैसा सिस्टम है। इसमें आप अपने पुराने इनकम टैक्स केसेस का एक बार में निपटारा कर सकते हैं। इसमें कुछ सहूलियत सरकार आपको देती है, जबकि आपको एकमुश्त पेमेंट करने का ऑप्शन मिलता है।

'विवाद से विश्वास' से जुड़ी जरूरी बातें

वित्त मंत्रालय ने 'विवाद से विश्वास'स्कीम 2024 से जुड़े कुछ जरूरी सवाल-जवाब की पूरी लिस्ट (FAQs) जारी की है। इस स्कीम को फिर से लॉन्च करने का ऐलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसी साल जुलाई में बजट पेश करने के दौरान किया था।

इनकम टैक्स विभाग के 15 अक्तूबर 2024 के एक सर्कुलर के मुताबिक आयकर कानून की धारा-89 के तहत ही 'विवाद से विश्वास'स्कीम को लॉन्च किया गया है। इसमें कुछ शर्तों के साथ करदाताओं को अपने टैक्स डिस्प्यूट का निपटारा करने का मौका मिलता है। इसमें सरकार पेनल्टी की माफी और बकाया टैक्स पर लगे ब्याज को माफ कर देती है।

जिन करदाताओं का इनकम टैक्स से जुड़ा कोई केस 'रिट पिटीशन'या 'स्पेशल लीव पिटीशन' के रूप में 22 जुलाई 2024 से पहले किसी अपीलीय फोरम में लंबित है। वह इस स्कीम के तहत अपने केस का निपटारा कर सकते हैं।

अगर किसी करदाता ने धारा-144C के तहत विवाद निपटान पैनल (DRP) के समक्ष अपने किसी मामले को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। इस पर डीआरपी ने कोई निर्णय नहीं सुनाया है, तो वह 'विवाद से विश्वास' स्कीम में अपने मामले का समाधान कर सकता है।

ऐसा कोई व्यक्ति जिसके इनकम टैक्स से जुड़े मामले में डीआरपी ने धारा-144C(5) के तहत निर्देश जारी कर दिए हैं। लेकिन इस पर 22 जुलाई 2024 से पहले असेसमेंट ऑफिसर ने धारा-144C(13) के तहत अपना असेसमेंट पूरा नहीं किया है, वह इस स्कीम का फायदा उठा सकता है।

इसके अलावा ऐसा कोई करदाता जिसने आयकर कानून की धारा-264 के तहत एक समीक्षा एप्लीकेशन दाखिल की है और ये 22 जुलाई 2024 तक लंबित रही है, तो उसका निपटारा भी इस स्कीम में किया जा सकता है।

'विवाद से विश्वास' के तहत करदाता को अपने कर का एक निश्चित हिस्सा चुकाना होता है। इसके बदले में सरकार की ओर से पेनल्टी और ब्याज को लेकर माफी मिल जाती है।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने क्यूआईपी के जरिए जुटाए 4200 करोड़ रुपये, बयान जारी कर बताया कहां खर्च की जाएगी राशि

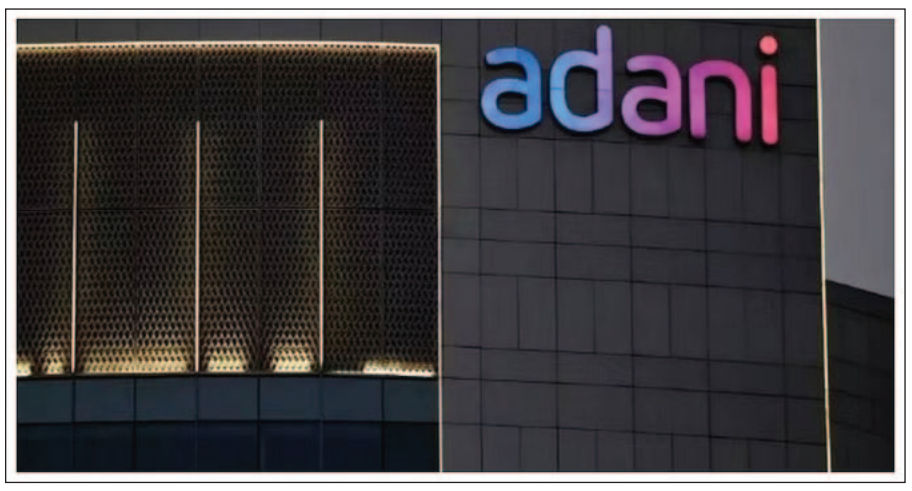

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी एंटरप्राइजेजअपनी विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए क्यूआईपी के जरिए क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट 50 करोड़ डॉलर यानी करीब 4, 200 करोड़ रुपये जुटाए हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने एक बयान जारी कर बताया है कि उसने क्यूआईपी को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अदाणी एंटरप्राइजेस लिमिटेड के इक्विटी शेयरों की फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर है।

क्यूआईपी के जरिए कुल 1,41,79,608 इक्विटी शेयरों को 2,962 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के निर्गम मूल्य पर आवंटित किया गया था। यह लेन-देन 9 अक्टूबर 2024 को (बाजार के बाद) लगभग 4,200 करोड़ रुपये (500 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के सौदे के आकार के साथ शुरू हुआ था और 15 अक्टूबर 2024 को बंद हुआ। कंपनी के अनुसार क्यूआईपी में निवेशकों की भारी दिलचस्पी दिखी और डील साइज से 4.2 गुना की अधिक बोलियां प्राप्त हुईं। एईएल के वर्तमान पोर्टफोलियो में परिवहन और रसद क्षेत्र में हवाई अड्डे और सड़कें, नई ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र (सौर और पवन विनिर्माण सहित) और ऊर्जा और उपयोगिता क्षेत्र में डेटा केंद्र जैसे कारोबार शामिल हैं। कंपनी ने बताया है कि क्यूआईपी से प्राप्त आय का उपयोग पूंजीगत व्यय, ऋण पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

कंपनी के अनुसार, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड ने इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर की भूमिका निभाई। इसके अलावा कैटर फिट्जगेराल्ड एंड कंपनी ने इस मामले में एक सलाहकार के रूप में काम किया। सिरिल अमरचंद मंगलदास ने भारतीय कानून के मामले में एईएल के लिए कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया वहीं ट्राइलीगल और लैथम एंड वॉटकिंस ने क्रमशः भारतीय और अंतरराष्ट्रीय कानून के संदर्भ में लीड मैनेजर के लिए कानूनी सलाहकार की भूमिका निभाई।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भारत के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षमता : गूगल

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2028 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 20 प्रतिशत है।

बुधवार को गूगल की एक नई रिपोर्ट में कहा गया कि एआई देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और एक ग्लोबल लीडर के रूप में उभरने की क्षमता रखता है। गूगल द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक भारत में एआई को अपनाने से कम से कम 33.8 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक मूल्य प्राप्त किया जा सकता है।

एन एआई ऑपोरचुनिटी एजेंडा फॉर इंडिया शीर्षक वाले नए पेपर के अनुसार, देश अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, आउटस्टैंडिंग तकनीकी प्रतिभा, युवा जनसांख्यिकी और जीवंत स्टार्ट-अप इको सिस्टम के साथ एआई लाभों को प्राप्त करने के लिए तैयार है।

रिपोर्ट में कहा गया है, एआई पहले से ही देश की कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान कर रहा है, जिसमें कृषि पद्धतियों में क्रांतिकारी बदलाव से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और परिणामों में सुधार शामिल है। उदाहरण के लिए, एग्रोस्टार जैसे एआई-संचालित प्लेटफॉर्म किसानों को सशक्त बना रहे हैं, फसल की पैदावार बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा में, एआई निदान को बेहतर बनाने और खास वंचित समुदायों के लिए पहुंच का विस्तार कर रहा है।

टेक्नोलॉजी सेक्टर की इस दिग्गज कंपनी ने स्वास्थ्य सूचना कार्यक्रम से बाहर होने के जोखिम वाली महिलाओं की पहचान करने के लिए एआई का उपयोग करने के लिए एआरएमएमएएन के साथ साझेदारी की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'भारत के लिए एआई अवसर' को बढ़ाने के लिए, सरकार, उद्योग और नागरिक समाज के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को तीन प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता देनी चाहिए: बुनियादी ढांचे और नवाचार में निवेश, मानव पूंजी और एआई-सशक्त कार्यबल का निर्माण, और व्यापक रूप से अपनाने और सार्वभौमिक पहुंच को बढ़ावा देना।

भारत में गूगल का लक्ष्य 10 मिलियन लोगों को एआई डिजिटल साक्षरता से सशक्त बनाना है, जिसमें छात्र, नौकरी चाहने वाले, शिक्षक, स्टार्टअप और डेवलपर्स और सिविल अधिकारी शामिल हैं।

याह्या सिनवार की मौत पर इजराइल में जश्न, नेतन्याहू बोले- युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ

यरुशलम, एजेंसी। याह्या सिनवार की मौत के बाद इजराइल में जश्न का माहौल है। कई वीडियो में इजराइली सेना सिनवार की मौत का जश्न मनाती नजर आ रही है। इसी बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हमने हिसाब बराबर कर लिया है, लेकिन सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं। हमें अपने लक्ष्यों पर अडिग रहना होगा और जब तक हमारे लोगों को नहीं छोड़ा जाता ये युद्ध ऐसे ही जारी रहेगा।

नेतन्याहू ने आगे कहा कि इससे मडिल ईस्ट में शांति स्थापित हो सकेगी। हालांकि, उन्होंने इस बात पर ज्यादा जोर दिया कि गाजा में चल रहा संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है और यह लड़ाई अभी लंबी चल सकती है। उन्होंने कहा कि आज हमने दिखा दिया कि जो भी हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे अंजाम भुगतना पड़ेगा।

नेतन्याहू ने एक वीडियो जारी करते हुए इजराइल के नागरिकों को से वादा किया कि हमास अब गाजा पर शासन नहीं करेगा। यह गाजा में रहने वाले अब ऐसी तानाशाही से मुक्त हो सकेंगे। इजराइल उन्हें इस अत्याचार से आजाद कराने के लिए सक्षम है। इस बयान के जरिए नेतन्याहू ने ये साफ कर दिया कि सिनवार की मौत के बाद भी इजराइल शांत नहीं बैठेगा।

इजराइल में जश्न का माहौल

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कई ऐसे वीडियो आ रहे हैं, जिनमें इजराइल के लोगों को जश्न मनाते हुए देखा जा सकता है। इजराइलियों के जश्न मनाते हुए वीडियो वायरल हो रहे हैं। याह्या सिनवार की मौत की खबर के बाद लोग खुशी से चिल्ला रहे हैं और तालियां बजा रहे हैं। सिनवार की मौत की पुष्टि ने इजराइल में उत्सव का माहौल बना दिया है।

हमास को नेतन्याहू की धमकी

इतना ही नहीं नेतन्याहू ने अपने संबोधन में ये भी कहा कि अगर हमास 101 इजराइली बंधकों को रिहा करता है, तो उन्हें जीवनदान दे देगा, लेकिन अगर वो ऐसा नहीं करेगा तो हमास के सभी लड़ाकों का अंजाम याह्या सिनवार से भी बुरा हाल होगा। नेतन्याहू ने बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों के परिवारों को भी यह आश्वासन भी दिया कि उनका संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है और सभी बंधकों की रिहाई तक वे अपनी पूरी ताकत से इस युद्ध जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, 'बंधकों के परिवारों से मैं कहना चाहता हूं। हम अपनी पूरी शक्ति से तब तक लड़ते रहेंगे जब तक हमारे सभी लोगों को सुरक्षित घर नहीं लाया जाता है।'

रफा में जारी रहेगी जंग

नेतन्याहू ने अपने इस पूरे बयान से एक बात तो स्टष्ट कर दी कि कि इजराइल युद्ध को नहीं रोकेगा। साथ ही इजराइली पीएम ने ये भी कहा कि रफा में भी वो अपने अभियान को आगे बढ़ाएंगे। इससे ये साफ है कि इजराइल अपने सैन्य अभियानों को जारी रखेगा, चाहे जो हो जाए। रफा, गाजा पट्टी का एक प्रमुख शहर है, वहां इजराइल की सैन्य कार्रवाई काफी महत्वपूर्ण हो सकता है।

सिनवार की मौत पर क्या बोले बाइडेन

सिनवार की मौत पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि ये दिन इजराइल के साथ-साथ अमेरिका और पूरी दुनिया के लिए अच्छा रहा। वहीं इजराइल के विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज ने इसे देश के लिए एक बड़ी सैन्य और नैतिक जीत बताया है। उन्होंने सिनवार को कहा कि वो 7 अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमले का जिम्मेदार था। इस हमले में 1,200 से अधिक लोग मारे गए।

अतीत को भुलाकर आगे बढ़ना चाहिए... बोले पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग के अध्यक्ष नवाज शरीफ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान को अतीत को पीछे छोड़कर अच्छे पड़ोसियों की तरह आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों को अब बातचीत शुरू करनी चाहिए। पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान यात्रा को अच्छी शुरुआत बताया। जयशंकर एससीओ के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। पिछले नौ सालों में पाकिस्तान जाने वाले वो पहले भारतीय विदेश मंत्री बने। शरीफ ने भारतीय पत्रकारों से बातचीत में दोनों देशों के संबंधों में मौजूद खटास पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों पक्ष सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेंगे।इस दौरान उन्होंने पीएम की लाहौर यात्रा का भी जिक्र किया।

नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिसंबर 2015 में अचानक लाहौर में उतरने की घटना को याद किया। यह दौरा उस समय हुआ जब मोदी काबुल से लौटते वक्त लाहौर में रुके और शरीफ को उनके जन्मदिन की बधाई दी। शरीफ ने इस यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि यह दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदमों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह देशों के बीच आपसी विश्वास और सद्भावना को मजबूत करने में काफी अहम रोल निभाते हैं।

क्रिकेट संबंधों की बहाली की अपील

नवाज शरीफ ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू करने कीअपील भी की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की क्रिकेट टीमें जब एक-दूसरे के देशों में खेलेंगी, तो इससे न केवल खेल के क्षेत्र में बल्कि आपसी संबंधों में भी सुधार होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर दोनों टीमें किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने होती हैं, तो वे खुद भारत की यात्रा करना चाहेंगे। शरीफ ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच टीम न भेजने से किसी को कोई फायदा नहीं होगा। दोनों देश पूरी दुनिया में खेलते हैं, लेकिन अपने पड़ोसी देशों के साथ खेल संबंधों में रोक लगाना सही नहीं है।

व्यापारिक संबंधों पर विचार

इसके साथ ही नवाज शरीफ ने भारत-पाकिस्तान के व्यापारिक रिश्तों का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे के लिए संभावित बाजार हैं और व्यापारिक रिश्ते बहाल किए जाने चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि जब अमृतसर से लाहौर की दूरी कम है, तो व्यापारिक माल दुबई होकर क्यों जा रहा है? उन्होंने कहा कि इस प्रकार की व्यवस्थाओं से न केवल समय बर्बाद हो रहा है।

इधर ईरान के पीछे हाथ धोकर पड़े इजराइल और अमेरिका, उधर ट्रंप ने कर दी उसकी 'तरक्की की दुआ'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने एक पोडकास्ट में ईरान की कामयाबी की दुआ की है। ट्रंप ने कहा है कि वो चाहते हैं कि ईरान बहुत कामयाब हो, लेकिन सिर्फ एक चीज ईरान के पास नहीं हो सकती वो है परमाणु हथियार।

ईरान में तख्तापलट के सवाल पर ट्रंप ने कहा है कि 'हम हर मामले में पूरी तरह से शामिल नहीं हो सकते, आप जानते हैं, हम अपने देश को ठीक तरह से नहीं चला पा रहे हैं।' ट्रंप ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़ा खतरा ग्लोबल वॉर्मिंग नहीं है बल्कि असली खतरा 'न्यूक्लियर वॉर्मिंग' है।

डोनाल्ड ट्रंप का ये बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और इजराइल, ईरान को अपना नंबर 1 दुश्मन बता रहे हैं। दरअसल मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के लिए इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं ईरान ने एक अक्टूबर को इजराइल पर हमला कर साफ कर दिया है कि वह किसी के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। ईरान ने इजराइल पर किए हमले को इस्माइल हानिया, हसन नसरल्लाह और IRGC के कमांडर निलफोरुशन की हत्या का बदला बताया था, तब से ईरान और इजराइल के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है।

वहीं अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ईरान गुपचुप तरीके से न्यूक्लियर प्रोग्राम को आगे बढ़ा रहा है, ये भी दावा किया गया था कि इस साल के अंत तक ईरान खुद को न्यूक्लियर पावर घोषित कर सकता है। इसके बाद से ही इजराइल और अमेरिका लगातार ईरान को चेतावनी दे रहे हैं। दोनों ही नहीं चाहते कि ईरान, न्यूक्लियर हथियार हासिल करे। यही वजह है कि इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ईरान को न्यूक्लियर पावर हासिल करने से रोकने की पूरी कोशिश कर रही है। इससे पहले अमेरिका और ईरान के बीच 2015 में परमाणु संधि हुई थी, जिसका उद्देश्य ईरान को न्यूक्लियर ताकत हासिल करने से रोकना था। इस संधि में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस समेत चीन और रूस भी शामिल थे। लेकिन ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद 2018 में अमेरिका ने खुद को इस संधि से अलग कर लिया।

ईरान को लेकर रणनीति में बदलाव का संकेत

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर भले ही ट्रंप का रुख, इजराइल और वर्तमान अमेरिकी प्रशासन से मिलता-जुलता हो लेकिन अगर वह दोबारा राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो ईरान को लेकर उनका रुख बदल सकता है। ट्रंप ने पैट्रिक बेट-डेविड के साथ पोडकास्ट में बात करते हुए इस ओर इशारा किया है। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह ईरान को लेकर अपनी पिछली नीतियों को जारी रखेंगे, तो उन्होंने कहा है कि अगले टर्म में वह ईरान को लेकर अलग रणनीति अपनाएंगे।

'भारत से व्यापार पर प्रतिबंध लगाना मूर्खता', कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ की ट्रूडो को नसीहत

ओटावा। कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ जो एडम जॉर्ज ने पीएम जस्टिन ट्रूडो को नसीहत दी है। भारत पर लगाए गए आरोपों से पीछे हटने के बाद व्यापार प्रतिबंधों को लेकर चल रही चर्चा पर जॉर्ज ने कहा कि मुझे लगता है इसे लेकर दोनों देशों को इंतजार करना चाहिए। किसी भी पक्ष की ओर से कुछ ऐसा करने का प्रयास करना मूर्खता होगी, क्योंकि अंततः उन्हें पछताना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कनाडा के लिए प्रवासी भारतीय काफी अहमियत रखते हैं। वहीं कनाडा को अंतरराष्ट्रीय छात्रों और प्रवासियों से बड़ा राजस्व मिलता है। उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए। इसलिए ऐसा कुछ भी मूर्खतापूर्ण न करना कनाडा के हित में होगा। मैं जानता हूं कि कनाडा की ओर से प्रतिबंधों के बारे में बात हुई है, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें काफी समय लगेगा।

'कुछ खतरनाक ताकतें भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रहीं', उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि कुछ खतरनाक ताकतें भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। वे भारत का खराब रंग सबको दिखाना चाहती हैं। ऐसे प्रयासों को बेअसर करने के लिए जवाबी हमला जरूरी है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्थापना दिवस समारोह में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इन खतरनाक ताकतों को मानवाधिकार पर उपदेश और व्याख्यान देना तक पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि देश का बंटवारा, आपात काल और 1984 के सिख दंगे कुछ ऐसी घटनाएं हैं जो स्वतंत्रता की नाजुकता की याद दिलाती हैं। धनखड़ ने कहा कि कुछ खतरनाक ताकतें हैं, जो गलत तरीके से हमें कलंकित करना चाहती हैं। इन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों के जरिये हमारे मानवाधिकार रिकॉर्ड पर सवाल उठाने के लिए भी योजना बनाकर रखी है। ऐसी ताकतों को बेअसर करने की जरूरत है। यह भारत में फिट होने के लिए जवाबी हमले और प्रतिघात करते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी ताकतों ने सूचकांकों और रैंक के जरिये दुनिया को भारत का खराब रंग दिखाने की कोशिश की है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत सरकार ने कोविड महामारी के दौरान 80 करोड़ लोगों को जाति और पंथ की परवाह किए बिना राशन मुहैया कराया, लेकिन फिर भी भूख सूचकांक में भारत की रैंकिंग खराब दिखाई गई।

पीएम मोदी अगले हफ्ते करेंगे रूस का दौरा, पुतिन ने दिया ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22-23 अक्तूबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए रूस का दौरा करेंगे। बता दें कि इस बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस के कजान में किया जा रहा है। इस दौरे के दौरान पीएम मोदी ब्रिक्स सदस्यीय देशों के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। पीएम मोदी इससे पहले जुलाई में भी रूस का दौरा कर चुके हैं। आठ जुलाई को पीएम मोदी ने रूस का दौरा किया था। वह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन को आयोजित करने के लिए रूस पहुंचे थे। इस दौरान पीएम मोदी ने पुतिन के साथ वार्ता की, जिसके दौरान व्यापार और रक्षा सौदों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। अपनी इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी चर्चा हुई। बता दें कि फरवरी 2022 में मास्को की तरफ से यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली रूस यात्रा थी। इसके एक महीने बाद ही उन्होंने यूक्रेन का दौरा किया था। पोलैंड की यात्रा खत्म कर वे ट्रेन से 10 घंटे का सफर करके यूक्रेन पहुंचे थे। अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की।

क्या है ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अमेरिका शामिल हैं। हाल ही में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ब्रिक्स के सदस्य बने हैं। बढ़ी हुई सदस्यता के साथ ब्रिक्स दुनिया की 45 % आबादी और 28 फीसदी अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन बन गया है।

चीनी राष्ट्रपति भी लेंगे हिस्सा

रूस के कजान में आयोजित इस सम्मेलन में पीएम मोदी के अलावा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी हिस्सा लेंगे। लगभग एक साल बाद पहली बार ऐसा होगा कि पीएम मोदी और जिनपिंग एक साथ एक मंच पर होंगे। इससे पहले दोनों नेताओं की मुलाकात अगस्त 2023 में दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ही हुई थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मऊ विधायक अब्बास अंसारी को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विधायक अब्बास अंसारी को बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने अब्बास अंसारी की जमानत को मंजूरी दे दी है। अब्बास अंसारी उत्तर प्रदेश के बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी के बेटे हैं। हालांकि मुख्तार अंसारी की जेल में मौत हो चुकी है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने अब्बास अंसारी को यह राहत दी है। नौ मई को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी की जमानत याचिका खारिज की थी। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अब्बास अंसारी ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ED) को नोटिस जारी किया था। मऊ से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ 4 नवंबर 2022 को ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत मामला दर्ज किया था। मौजूदा समय में अब्बास अंसारी कासगंज जेल में बंद हैं। ईडी के आरोप के मुताबिक अब्बास अंसारी ने धन शोधन के लिए दो फर्मों मेसर्स विकास कंस्ट्रक्शन और मेसर्स आगाज का इस्तेमाल किया था।

भुवनेश्वर में अब तटरक्षक बल के अधिकारी और उनकी पत्नी से सड़क पर अभद्रता, दो युवक हिरासत में लिए गए

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर में अब भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारी और उनकी पत्नी के साथ कलिंग स्टेडियम के पास रोडरेज की घटना हुई है। अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस कमिश्नर एसडी सिंह ने बताया कि दोनों युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच चल रही है।

गुरुवार रात को भारतीय तटरक्षक बल की डीआईजी सत्य रंजन दास अपनी पत्नी के साथ कार से वापस घर आ रहे थे। आरोप है कि एक ट्रैफिक पोस्ट के पास इंतजार कर रहे दो युवकों ने उनकी कार को रोका और अभद्रता करने लगे। इसके बाद जब दंपती यू टर्न लेने लगे तो युवकों ने फिर से दुर्व्यवहार किया। बताया जाता है कि एक युवक ने तो उनकी कार का गेट खोलने की भी कोशिश की। जानकारी पर ट्रैफिक पुलिस ने युवकों को हिरासत में लिया। इसके साथ ही डीआईजी ने नायापल्ली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि मैंने युवकों से कार को रास्ता देने के लिए कहा, लेकिन वे दोनों अभद्रता करने लगे। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते मैंने शिकायत दर्ज कराना जरूरी समझा। उन्होंने कहा पुलिस मामले में कार्रवाई करेगी। इससे पहले 15 सितंबर को पश्चिम बंगाल में तैनात एक सैन्य अधिकारी और उसकी मंगेतर ने भरतपुर पुलिस थाने में रोड रेज की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्हें कुछ स्थानीय युवकों ने कथित तौर पर उन्हें परेशान किया था। हालांकि, दोनों और कुछ पुलिसकर्मियों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद अधिकारी और उसकी मंगेतर को थाने में कथित तौर पर प्रताड़ना झेलनी पड़ी। राज्य सरकार ने भरतपुर थाने के पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ सेना अधिकारी को प्रताड़ित करने और उनकी मंगेतर का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि 15 सितंबर की रात को सड़क पर सेना अधिकारी और उनकी मंगेतर के साथ दुर्व्यवहार करने वाले युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

समांथा ने क्यों जोड़े थे सिटाडेल डायरेक्टर के सामने हाथ? कहा था- 'मुझे रिप्लेस कर दो प्लीज...'

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इस वक्त काफी सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी आने वाली वेब सीरीज सिटाडेलः हनी बनी जिसका बीते दिनों ट्रेलर रिलीज हुआ। सिटाडेल का ट्रेलर फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस वेब सीरीज में सामंथा के ऑपोजिट बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन को कास्ट किया गया है। वेब सीरीज के ट्रेलर में दोनों ही एक्टर्स काफी पॉवर पैक्ड एक्शन करते दिखाई दे रहे हैं। सामंथा वेब सीरीज में हनी के किरदार में हैं, वहीं वरुण के किरदार का नाम बनी है। सीरीज का डायरेक्शन फैमिली मैन फेम डॉयरेक्टर राज और डीके ने किया है।

जब से इस सीरीज का ट्रेलर सामने आया है तब से ही सामंथा की तारीफ की जा रही है लेकिन एक इंटरव्यू में सामंथा ने बताया कि उन्होंने लिटरली राज और डीके से मिन्नतें की थीं कि वह उन्हें इस सीरीज का हिस्सा ना बनाएं। इस बात के पीछे एक खास रीजन है। सामंथा को मायोसिटिस की बीमारी थी जो कि एक ऑटोइम्यून डिजीज है। मायोसिटिस में इंसान के शरीर में काम करने वाली मांसपेशियों में कमजोरी आ जाती है। हालत इतनी खराब हो जाती है कि इंसान को बैठने-उठने में भी दिक्कत होती है।

सामंथा ने की थी गुजारिश

एक इंटरव्यू में सामंथा ने बताया था कि एक प्वाइंट उनकी लाइफ में ऐसा आया था जिसमें उन्होंने राज और डीके को उन्हें रिप्लेस करने के लिए बोल दिया था क्योंकि वह अपनी बीमारी से जूझ रही थीं। सामंथा ने बताया कि उन्होंने सच में राज और डीके से मिन्नते की थीं कि वह उन्हें सीरीज से हटा दें क्योंकि उन्हें ऐसा लगता था कि वो ये काम नहीं कर पाएंगी। यहां तक की उन्होंने किसी और एक्ट्रेस का नाम तक उन्हें सुझाया था। सामंथा ने बताया कि उन्होंने कम से कम चार और एक्ट्रेस की फोटो राज और डीके को भेजी थीं ये कहकर कि यह एक्ट्रेस उनसे कहीं ज्यादा बेहतर तरीके से इस रोल को निभाएंगी।

बीते कुछ महीने रहे काफी भारी

हालांकि उन्होंने बाद में इस चीज को एक चैलेंज की तरह लिया और पूरी तरह से इसपर काम किया। सामंथा ने बताया कि अब जब वह ये शो देखती हैं तो उन्हें गर्व होता है कि आखिरकार उन्होंने इसे पूरा किया और वह बहुत खुश हैं कि राज और डीके ने उन्हें रिप्लेस नहीं किया। सामंथा के लिए बीते कुछ महीने काफी ज्यादा परेशानी वाले रहे थे। पहले उनके पति और एक्ट्रेस नाग चैतन्य से उनका तलाक और फिर उनकी बीमारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था लेकिन फिर भी वह खड़ी हुईं और आगे बढ़ीं।

रील ही नहीं रियल लाइफ में भी चुपचाप रहती थीं 'हम साथ-साथ हैं' कि 'प्रीती', करिश्मा ने 25 साल बाद सुनाया किस्सा

90s का दौर सूरज बड़जात्या का था। उनकी बैक टू बैक पारिवारिक फिल्मों ने लोगों के दिलों पर राज किया। ये फिल्में इतनी कामयाब था कि इनके चर्चे आज भी होते हैं। यहां तक की आज के दौर में भी अगर ये फिल्में टीवी पर आ जाएं तो पूरा परिवार साथ बैठकर देखता है। साल 1999 में भी एक ऐसी ही फिल्म आई थी जिसको आज के दौर में भी याद और पसंद किया जाता है। ये फिल्म थी 'हम साथ साथ हैं'। राजश्री कि इस फिल्म को उस समय आज के जमाने की रामायण के तौर पर देखा जाता था। फिल्म में कई सितारे थे।

इस फिल्म में सलमान खान, सैफ अली खान, मोहनीश बहल, करिश्मा कपूर, सोनाली बेंद्रे और तब्बू ने लीड रोल निभाया था। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। इस फिल्म की कमाई के साथ इससे जुड़े किस्से भी बॉलीवुड के गलियारों में काफी मशहूर हैं। रियलिटी शो 'इंडिया बेस्ट डांसर' के स्टेज पर करिश्मा कपूर ने फिल्म के सेट से जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए थे।

'हैंगआउट नहीं करती थीं सोनाली'

फिल्म में करिश्मा ने सैफ अली खान की लव इंटरेस्ट सपना का किरदार निभाया था। करिश्मा कपूर ने फिल्म के किस्से को साझा करते हुए बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन लोगों ने काफी एन्जॉय किया था। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए बताया कि तब्बू और वो अक्सर एक साथ समय बिताया करती थीं, लेकिन सोनाली बेंद्रे उन लोगों के साथ हैंगआउट नहीं करती थीं। वो सेट पर करिश्मा कपूर और तब्बू से ज्यादा बातें नहीं करती थीं और बस पूरे दिन अपनी किताब में डूबी रहती थीं।

सलमान की लव इंटरेस्ट का निभाया था रोल

सोनाली के बारे में और बताते हुए उन्होंने कहा कि सोनाली फिल्म के सेट पर काफी चुपचाप रहती थीं। वो शांती से एक कोने में अपनी किताब के साथ बैठी रहती थीं। करिश्मा कहती हैं कि उन्हें और तब्बू को जिज्ञासा होती थी कि वो आखिर पढ़ क्या रही हैं। उसकी किताब में होता क्या है? मैं सेट पर अक्सर बोलती रहती थी और सोनाली सेट पर काफी चुपचाप रहती थीं। मैं और तब्बू ये डिस्कस करते थे कि अब हमें कौन सा सीन शूट करना है, आगे कौन सा गाना शूट करना है। वहीं सोनाली चुपचाप बुक पढ़ती रहती थीं। सोनाली केवल सेलेड खाती थीं और कई बार क्रू के साथ लंच या डिनर नहीं करती थीं। फिल्म में सोनाली ने सलमान खान की लव इंटरेस्ट प्रीती का किरदार निभाया था।

बेबी गर्ल की मां बनने पर मसाबा ने दी थी ये दिलचस्प प्रतिक्रिया, नीना गुप्ता ने किया खुलासा

मसाबा गुप्ता और उनके पति सत्यदीप मिश्रा ने हाल ही में अपने जीवन के एक नए पड़ाव पर पहुंचे हैं। ये कपल बीते 11 अक्तूबर, 2024 को एक बच्ची के माता-पिता बने हैं। अभिनेत्री नीना गुप्ता, जो अब दादी बन चुकी हैं, उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि मसाबा हमेशा से एक बेटी चाहती थीं। अभिनेत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चे का स्वागत करने के बाद मसाबा की पहली प्रतिक्रिया काफी दिलचस्प थी।

एनडीटीवी को दिए एक हालिया इंटरव्यू के दौरान नीना गुप्ता ने कहा कि मसाबा एक लड़की चाहती थीं। ऐसे में जब वह बच्ची की मां बनीं, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया बेहद मजेदार थी। अभिनेत्री ने कहा कि मसाबा की पहली प्रतिक्रिया थी कि भगवान का शुक्र है कि उन्हें लड़की हुई है। नीना गुप्ता के मुताबिक, मसाबा ने कहा, 'भगवान का शुक्र है। वह मेरे सभी बैग और गहने इस्तेमाल कर सकती है।₹

नीना गुप्ता दादी बन कर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह अभी भी दादी बनने की खुशी से फूले नहीं समा रही हैं। उन्होंने बताया कि वह दादी बनने की खबर से अभी भी इससे फूली नहीं समा रही हैं और इस खुशी को दिल में बसाए रखने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि वह मसाबा की देखभाल कर रही थीं और मसाबा अपने बच्ची की देखभाल कर रही थीं। दादी बनने पर नीना गुप्ता ने भी बेटी को गोद में लिए हुए अपनी एक तस्वीर साझा की थीं। उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए लिखा, "मेरी बेटी की बेटी - रब रखा₹।

मसाबा गुप्ता और सत्यदीप मिश्रा ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के आगमन की खबर साझा करते हुए बच्ची के जन्मतिथि का खुलासा किया था। उनके किए पोस्ट की पहली स्लाइड में नीले रंग की पृष्ठभूमि वाली एक तस्वीर दिखाई गई थी, जिसमें चांद और एक सफेद कमल दिखाई दे रहा था। फोटो पर लिखा था, ₹हमारी बहुत खास छोटी बच्ची एक बहुत ही खास दिन पर आई। 11.10.2024 मसाबा और सत्यदीप।" इस पोस्ट में उनकी बेटी के पैर की एक झलक भी थी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com